www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591

MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

छोटी सी जिंदगी है हंस कर जिओ
उदासी में क्या रखा है

मुस्कुरा के जिओ
अपने लिए न सही अपनो के लिए जिओ।

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-06 ❖ मुंबई ❖ रविवार 31 जनवरी से 06 फरवरी 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

टीआरपी मामला: मुंबई पुलिस ने रिपब्लिक टीवी, अर्णब गोस्वामी के दावों को खारिज किया

पेज 5

मुरादाबाद सड़क हादसे में मौतों पर सीएम योगी ने जताया गहरा दु:ख, मुआवजे का ऐलान

पेज 7

सास के साथ शिल्पा शेट्टी ने साझा किया वीडियो, इस खास कैप्शन से जीता फैन्स का दिल

पेज 8

कुशीनगर में मुरारी बापू की पत्रकार परिषद

दबोचे गए ज्वेल थीफ! 20 दिनों के अंदर मीरा रोड ज्वेलरी लूट कांड के आरोपियों का खेल खत्म

मीरा रोड, मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की पुलिस ने वह कारनामा करके दिखाया है, जिसे सुनकर आपको अपनी पुलिस पर गर्व होगा। कुछ दिन पहले मीरा रोड में एक ज्वेलरी शॉप 'एस कुमार गोल्ड एंड डायमंड' में सनसनीखेज लूट हुई थी। इस घटना से स्थानीय ज्वेलर्स अपने आपको असुरक्षित महसूस करने लगे थे। क्षेत्र के जांबाज पुलिस आयुक्त सदानंद दाते के निर्देश पर इस लूट कांड को सुलझाने के लिए कई टीमों का गठन किया गया था और सिर्फ २० दिनों के भीतर इन 'ज्वेल थीफ' को गिरफ्तार करके उनके अंजाम तक पहुंचा दिया। गिरफ्तार आरोपियों को पहले लखनऊ की अदालत में हाजिर कर ७२ घंटे के ट्रांजिट रिमांड पर मीरा रोड लाया गया। पुलिस ने सभी को कोर्ट में पेश किया व ८ फरवरी तक की पुलिस कस्टडी ली। उनके पास से लूटे हुए जेवरात में से ४६ सोने की अंगूठी, ४ हार, २ जोड़ी कंगन, १० सोने के लॉकेट, कई नग डायमंड, ५ लाख ७२ हजार ४ सौ रुपए नगद बरामद किया है।

क्राइम ब्रांच ने की कार्रवाई

क्राइम ब्रांच की टीम ने वारदात से १२ घंटे पहले की सीसीटीवी फुटेज से जांच शुरू की, जिसमें आरोपी मीरा रोड के उसी क्षेत्र में एक चाय की दुकान पर चाय पीते देखे गए। उसके बाद उन्होंने घटना के ३० मिनट पहले ज्वेलरी शॉप के इर्द-गिर्द रेकी की। दोपहर २ बजकर ५ मिनट पर ४ लुटेरे अंदर घुसे। पुलिस ने उस दौरान बातचीत हुई सभी मोबाइल फोन को ट्रेस किया, जिसमें से एक कॉल वसई के लोकेशन पर किया गया था। वारदात के अगले दिन ही पुलिस ने एक आरोपी के भाई को वसई से गिरफ्तार कर लिया। पता चला कि घटना को अंजाम देनेवाले सभी अपराधी यूपी के हैं। ९ जनवरी को यूपी के जौनपुर, वाराणसी, आजमगढ़, लखनऊ तथा बिहार अलग-अलग पुलिस टीम गई। दूसरी टीम १२ जनवरी को रवाना हुई।

आरोपी खूंखार व रसूखदार

आरोपियों में से गैंग का सरगना विनय सिंह उर्फ सिंटू सिंह बहुत ही खतरनाक अपराधी है तथा एक आरोपी का भाई ग्राम प्रधान था इसलिए पुलिस आयुक्तालय से मदद मांगी गई। यहां की पुलिस ने यूपी की एसटीएफ से संपर्क साधा और आरोपियों को पकड़ने में उनसे मदद मांगी। मुंबई पुलिस की शिनाख्त पर एसटीएफ भी सक्रिय हो गई तथा गाजीपुर के एक अपराधी की जानकारी मिली जो पहले से ही कई वीभत्स घटनाओं को अंजाम दे चुका था। गैंग का सरगना खूंखार अपराधी है। यह गिरोह देश के विभिन्न महानगरों में हत्या, डकैती, हफ्ता उगाही जैसे कई जघन्य आपराधिक घटनाएं कर चुका है।

नासिक में अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन को 50 लाख रुपए का अनुदान- मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की घोषणा

मुंबई, नासिक में होनेवाले ९४वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के लिए ५० लाख रुपए अनुदान देने की घोषणा मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की है।

यह सम्मेलन २६ मार्च से नासिक में गोखले शिक्षण संस्थान के परिसर में शुरू होगा।

वरिष्ठ विज्ञान लेखक जयंत नार्लीकर को सर्वसम्मति से इस सम्मेलन का अध्यक्ष चुना गया है।

यह सम्मेलन अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल की ओर से आयोजित किया जा रहा है और लोकहितवादी मंडल, नासिक द्वारा इस सम्मेलन के आयोजन के लिए निमंत्रण दिया गया है। पिछले एक साल से कोविड से लड़ रहे हैं और स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। इस पृष्ठभूमि पर यह साहित्य सम्मेलन पूरी तरह से स्वास्थ्य व सावधानी के साथ आयोजित किया जाएगा और इस सम्मेलन से एक बार फिर से मराठी साहित्य का विश्व में उत्साह का माहौल निर्माण होगा, ऐसा विश्वास मुख्यमंत्री ने व्यक्त करते हुए इस सम्मेलन के आयोजकों को शुभकामनाएं दी। इस साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में डॉ. जयंत नार्लीकर जैसे महान खगोलशास्त्री की नियुक्ति पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल के अध्यक्ष कौतिकराव ठाले पाटील ने कहा कि सम्मेलन दिसंबर-जनवरी में होनेवाला था, लेकिन कोरोना संकट के कारण मार्च में आयोजित करना पड़ रहा है।

बॉलीवुड की नई 'रामायण'!... राम-ऋतिक, सीता-दीपिका

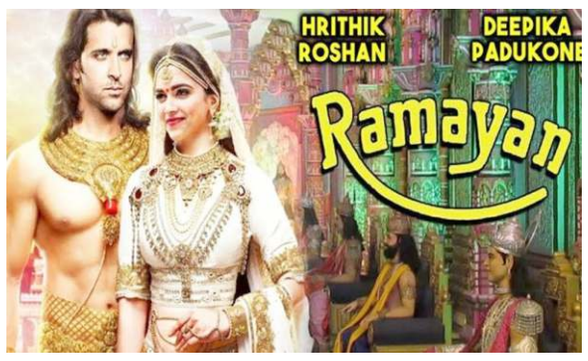

मुंबई, रामायण पर अब तक कई फिल्में बन चुकी हैं। नए-नए अंदाज में भगवान राम की कहानी को दिखाया गया है। अब बॉलीवुड में एक नई रामायण बनने जा रही है। निर्माता मधु मेंटाना 'रामायण' पर काफी बड़ी फिल्म बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मेंटाना ने फिल्म का बजट ३०० करोड़ रुपए रखा है। कहा जा रहा है कि ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण राम व सीता की मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मधु मेंटाना की 'रामायण' का डायरेक्शन नितीश तिवारी करेंगे। नितीश तिवारी 'दंगल' जैसी सुपरहिट फिल्म पहले भी बना चुके हैं। एक सूत्र के अनुसार मधु मेंटाना ने जल्द ही अनुराग कश्यप, विक्रमादित्य मोटवानी और विकास बहल से फैंटम फिल्म्स की हिस्सेदारी खरीद ली है। कहा जा रहा है कि अब वे बैनर को अकेले ही चलाएंगे। बता दें, 'रामायण' उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे वो इसी बैनर तले बनानेवाले हैं। मधु मेंटाना 'रामायण' को थ्रीडी में दर्शकों के सामने पेश करेंगे।

इसका बजट करीब ३०० करोड़ रुपए है। सूत्र ने ये भी बताया कि मधु मेंटाना ने कुछ रिसर्च स्कॉलर्स को 'रामायण' पर रिसर्च करने के लिए कहा है। उनका कहना है कि ऐसा करने से फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार करने में मदद मिलेगी। साथ ही ये भी बताया गया है कि मधु मेंटाना 'रामायण' को दो भागों में रिलीज करने की सोच रहे हैं। बता दें, इस फिल्म 'रामायण' में दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन लीड रोल में नजर आएंगे। अब ये देखनेवाली बात होगी कि राम-सीता के किरदार में ये एक्टर्स कैसे लगेंगे? ऋतिक-दीपिका की जोड़ी सिद्धार्थ आनंद की फिल्म 'फाइटर' में भी नजर आनेवाली है।

रेलवे स्टेशनों पर शुरू होंगे सैलून... मिलेगी हेयर कट और मसाज की सुविधा

मुंबई, पश्चिम रेलवे ने मुंबई डिवीजन के सात स्टेशनों पर सैलून शुरू करने की योजना बनाई है। नॉन फेयर रेवेन्यू मॉडल के तहत बनाई जा रही इस योजना

के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (इच्छुक) निवेदन मंगाया है। स्टेशन परिसर में निजी संस्थान को जगह देकर रेलवे रेवेन्यू जनरेट करेगी।

स्टेशन पर ही मिलेगी सर्विस

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार, 'रेलवे की योजना है कि स्टेशन परिसर में ही यात्रियों को अच्छी सर्विस मिल जाए। मैक ओवर के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं। स्टेशन से ही यात्री प्रश होकर निकले।' योजना के अनुसार स्टेशन परिसर में इच्छुक पात्र को निश्चित आकार का क्यूबिक दिया जाएगा। यहां हेड मसाज, फुट मसाज, हेयर कट और सेविंग जैसी सुविधा उपलब्ध होगी।

पांच साल का होगा एग्रीमेंट

इच्छुक पार्टी को बताना होगा कि प्रति वर्ष रेलवे को कितनी वार्षिक रकम दे सकते हैं। रेलवे और पार्टी के बीच पांच साल का एग्रीमेंट होगा। सैलून लेनेवाले को रेट लिस्ट भी बतानी होगी। ये यूनिसेक्स सैलून होगा। इसकी जगह २५६ वर्ग फीट से ज्यादा नहीं होगी। सुबह ६ बजे से रात १० बजे तक सर्विस दी जा सकेगी। हर एक शिफ्ट में अधिकतम ४ स्टाफ को रखने की अनुमति होगी।

इन स्टेशनों पर होंगे सैलून

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल स्टेशन एक, अंधेरी पर दो, गोरेगांव पर एक, कांदिवली पर एक और बोरीवली स्टेशन पर एक और एक सैलून सूरत स्टेशन पर खोलने की योजना है।

मानव तस्करी रोकने महाराष्ट्र में स्थापित होंगे 24 एटीएचयू

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जानना चाहा है कि वह मानव तस्करी को रोकने के लिए जिले में कहां-कहांएंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) स्थापित करेगी। अगली सुनवाई के दौरान हमें राज्य भर में स्थित कुल एटीएचयू की जानकारी दी जाए। इससे पहले सरकारी वकील ने कोर्ट में हलफनामा पेश कर बताया कि सरकार पूरे राज्य में 24 एएचटीयू स्थापित करेगी। जो पूरे राज्य को कवर करेगी। मौजूदा समय में विभिन्न जिलों में 12 एएचटीयू हैं। इसके अलावा सरकार नए 24 एएचटीयू स्थापित करने की तैयारी में है।

देह व्यापार में धकेली गई महिलाओं के कल्याण के लिए कार्य करने वाली संस्था रेस्क्यू फाउंडेशन नामक संस्था की ओर से दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। याचिका में मुख्य रुप से संशोधित एंटी ह्यूमेन ट्रैफिकिंग कानून को कड़ाई से लागू करने की मांग की गई है। इस कानून में मानव तस्करी रोकने के लिए विशेष पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। जो सिर्फ मानव तस्करी से जुड़े मामलों को देखेंगे। याचिका में कहा गया है कि सरकार को इन अधिकारियों की नियुक्ति के लिए कहा जाए।

मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता व न्यायमूर्ति गिरीष कुलकर्णी की खंडपीठ के सामने याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान सरकारी वकील दीपक ठाकरे ने कहा कि राज्य सरकार ने सहायक पुलिस आयुक्त, उप पुलिस अधीक्षक, सहायक पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों को एंटी ट्रैफिकिंग पुलिस अधिकारी के रुप में अधिसूचित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास भेजा है। क्योंकि केंद्र सरकार के गृह विभाग के पास इन अधिकारियों की नियुक्ति करने का अधिकार है।

महाराष्ट्र में भी नहीं छपेगी बजट कॉपी, विधायकों को पैन ड्राइव में मिलेगी बजट प्रति

मुंबई। प्रदेश में विधायकों को इस बार साल 2021-22 के बजट की प्रति पेन ड्राइव में उपलब्ध कराया जाएगा। विधायकों को दिए जाने वाले प्रचलित बैग के साथ पेन ड्राइव वितरित की जाएगी। राज्य सरकार ने पेन ड्राइव के साथ बैग उपलब्ध कराने के लिए 842 लगेज ट्रॉली बैग टेंडर के माध्यम से खरीदने का फैसला लिया है। इसके लिए 58 लाख 82 रुपए के खर्च को प्रशासकीय मंजूरी दी है। शुक्रवार को सरकार के वित्त विभाग ने इस संबंध में शासनादेश जारी किया। इसके अनुसार विधायकों और अन्य लोगों को दिए जाने वाले प्रचलित बैग के साथ पेन ड्राइव भी उपलब्ध कराया जाएगा। महाराष्ट्र विधानमंडल का बजट सत्र एक मार्च से शुरू होने वाला है। इसके पहले केंद्र सरकार ने भी इस बार बजट का दस्तावेज यानी बही खाता नहीं छापने का फैसला लिया था। बजट दस्तावेज भी कोरोना की भेंट चढ़ गए हैं। जिसकी वजह से वित्त मंत्रालय ने इस बार बजट की प्रति नहीं छापने का फैसला किया है।

साइबर पुलिस के हत्थे चढ़े 4 अफ्रीकन ठग

मुंबई, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित साइबर पुलिस ने पुणे से ४ शातिर अफ्रकन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक तीन आरोपी नाइजीरिया मूल के निवासी हैं, वहीं एक अप्रâीकी नागरिक है।

२७ हजार व्यक्तियों की निजी जानकारी

चारों पर आरोप है कि इन्होंने चेंबूर में रहनेवाले ३० वर्षीय शख्स को कनाडा के एक होटल में मैनेजर की नौकरी का लालच देकर १७ लाख रुपए ऐंठ लिए। इन चारों आरोपियों के लैपटॉप से दुनियाभर के २७ हजार व्यक्तियों के निजी डेटा बरामद किए गए हैं। आरोपियों का नाम ओगुनसकीन उर्फ माइकल ओलएनि (३२), सोटोमीवा थॉम्पसन (२५), ओपेएमि ओडेले ओगुनमोरोति (२६) और ऑगस्टिन प्रसिस विलियम्स (२२) है।

वेबसाइटों पर कराया था पंजीकरण पुलिस सह आयुक्त मिलिंद भारंबे ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि शिकायतकर्ता ने नौकरी के लिए विभिन्न वेबसाइट्स पर पंजीकरण किया था। इन ठगों ने उसे फोन कर कनाडा के हिल्टन होटल में मैनेजर की नौकरी दिलाने की बात कही। आरोपियों ने उसे एक डिप्लोमेट मार्क ब्राउन

से संपर्क करने के लिए कहा। जब उसने मार्क से बात की तो उसने वीजा फी, प्रोग्राम फी, एम्प्लॉयमेंट ऑथराइजेशन के नाम पर पैसे मंगाता रहा। जब शिकायतकर्ता को शक हुआ तो साइबर पुलिस के पास मामला दर्ज कराया। ६४ बैंक खाते सीज पुलिस ने आरोपियों के पास से १४ मोबाइल फोन, ४ लैपटॉप सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किया है। इनके लैपटॉप को खंगालने पर दुनिया भर के ४८ देशों के २७ हजार व्यक्तियों के निजी डेटा बरामद किए गए हैं। इन देशों में पाकिस्तान, नेपाल, थाईलैंड, अलजीरिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, मेक्सिको, दक्षिण अप्रका जैसे देशों के नागरिकों का डेटा शामिल है। इसके अलावा भारत के १२ विभिन्न बैंकों में ६४ खातों को पुलिस ने सीज कर दिया है, जिसमें २ करोड़ ६८ लाख रुपए रखे गए थे। इसके अलावा नाइजीरिया और दुबई के भी २ बैंक खाते हैं, जिसमें १० करोड़ रुपए भेजे गए हैं। आरोपियों ने लगभग २ हजार लोगों के साथ अब तक धोखाधड़ी को अंजाम दिया है। २,५०० लोगों के पासपोर्ट की जानकारी भी इन आरोपियों के पास से बरामद की गई है।

कनाडा में नौकरी दिलाने का वादा रु. 17 लाख डकार लिए...

खर्च बढ़ाने वाली राह

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शुक्रवार को संसद में पेश किया गया आर्थिक सर्वे इस धारणा पर आधारित है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपने सबसे मुश्किल दौर से निकल चुकी है और आगे हालात तेजी से बेहतर होते जाएंगे। कोरोना और लॉकडाउन की जकड़न के चलते साल 2020-21 में जीडीपी में 7.7 फीसदी की गिरावट होने का अनुमान बताते हुए सर्वे में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था वी शेप्ड रिकवरी (तेज गिरावट के बाद उतनी ही तेजी से ऊपर आने का रुझान) दर्शा रही है।

इस लिहाज से अगले वित्त वर्ष यानी 2021-22 में जीडीपी में 11 फीसदी की विकास दर देखने को मिल सकती है। हालांकि यह अनुमानित विकास दर माइनस 7.7 फीसदी के काफी निचले बेसमार्क पर आधारित है, फिर भी एक साल के लिए यह काफी ऊंची छलांग मानी जाएगी। रहा सवाल इसे संभव बनाने के तरीकों का तो आर्थिक सर्वे से यह साफ हो जाता है कि सरकार मुख्यतः इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट्स में निवेश बढ़ाकर इस लक्ष्य को साधने की कोशिश में है। मौजूदा हालात के ब्यौरों में जाते हुए सर्वे में रेखांकित किया गया है कि आयात और निर्यात, दोनों में भले अच्छी-खासी गिरावट आई हो, लेकिन इस बार 2 फीसदी का करंट अकाउंट सरप्लस (चालू खाते का मुनाफा) दर्ज किया गया है जो 17 साल में पहली बार संभव हुआ है।

विदेशी मुद्रा भंडार भी 586.1 अरब डॉलर (8 जनवरी 2021 का आंकड़ा) के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है। यह भी कि अर्थव्यवस्था जैसे-जैसे संकट से उबर रही है, वैसे-वैसे सरकार की राजस्व वसूली में भी सुधार हो रहा है। दिसंबर महीने का जीएसटी कलेक्शन एक लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया। ऐसे सकारात्मक संकेतों के आधार पर सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह मजबूती से आगे बढ़े और ग्लोबल रेटिंग एजेंसियों की ज्यादा परवाह न करे। साफ-साफ कहा जाए तो आर्थिक सर्वे आगे के लिए यही राह सुझा रहा है कि वह कर्ज के बोझ, वित्तीय घाटे और नकारात्मक ब्याज दर की चिंता किए गए बगैर सरकारी खर्चे बढ़ाए और विकास की रफ्तार तेज करे।

सर्वे के मुताबिक मौजूदा हालात में इसका कोई विकल्प भी नहीं है। बहरहाल, भविष्य के सुनहरे सपनों में खोने से पहले हमें यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि आर्थिक सर्वे के आंकड़े मोटे तौर पर कॉरपोरेट और फॉर्मल सेक्टर्स के फीडबैक पर आधारित होते हैं। असंगठित क्षेत्र से फीडबैक आने में वक्त लगता है। महामारी और लॉकडाउन के झटकों से भारत के छोटे कारोबारी कितना उबर पाए हैं, इस बारे में ठोस जानकारियां अभी सरकार के पास नहीं हैं। याद रहे, यह तबका नोटबंदी और जीएसटी के झटकों से उबरने में ही जुटा था कि लॉकडाउन ने इस पर तगड़ी चोट कर दी। भारत के घरेलू बाजार की खुशहाली काफी कुछ इसकी आर्थिक सेहत पर ही निर्भर करती है।

वैश्विक स्तर पर कोरोना की स्थिति आज भी गंभीर बनी हुई है।

ऐसे में निर्यात में खास सुधार की उम्मीद तत्काल नहीं की जा सकती। वी शेप्ड रिकवरी सुनने में शानदार लगती है और हर मंदी के बाद इसका मंत्रोच्चार जरूरी समझा जाता है, लेकिन अर्थव्यवस्था की अच्छी बुनियाद बनाने वाली बात इस कर्मकांड के दौरान छूट ही जाती है।

उम्मीद करें कि इस पहले पोस्ट-कोरोना बजट में ऊपर ही ऊपर देखने की गलती नहीं की जाएगी और इसका जोर छोटे उद्यमों तथा खेती-किसानी की स्थिति सुधारने वाले उपायों पर रहेगा।

अदालत से ही उम्मीद, यौन उत्पीड़न पर घटती संवेदना

किरीट ए. चावड़ा

राहत की बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के उस फैसले पर रोक लगा दी है जिसमें कहा गया था कि पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेज) एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न के लिए स्किन टु स्किन टच जरूरी है, ऐसा सिद्ध न होने की स्थिति में मामले को छेड़खानी ही समझा जाए। 19 जनवरी को हाईकोर्ट का यह फैसला आने के बाद से ही इस पर बहस शुरू हो गई थी। मामला 12 साल की एक बच्ची के यौन उत्पीड़न से जुड़ा है। सेशन कोर्ट ने 39 साल के बांडू रगड़े को पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी मानते हुए तीन साल कैद की सजा सुनाई थी।

मगर हाईकोर्ट ने कहा कि चूंकि कपड़ा उतारने की कोशिश सफल नहीं हुई और लड़की के प्राइवेट पार्ट से स्किन टु स्किन टच नहीं हुआ, इसलिए इसे पॉक्सो के तहत यौन उत्पीड़न नहीं माना जा सकता। इस फैसले के बाद यह सवाल उठ गया कि क्या बाल यौन उत्पीड़न के मामलों में टच की यह नई परिभाषा पॉक्सो एक्ट के तहत बच्चों को मिली सुरक्षा को कमजोर नहीं करती। यह देखना दिलचस्प है कि दिसंबर 2012 में निर्भया की मृत्यु का

कारण बने बलात्कार के बाद देश में यौन उत्पीड़न विरोधी चेतना का जो उभार दिखा था, वह टिका तो नहीं ही रह सका, उलटे पिछले कुछ सालों से भारतीय समाज के और पीछे जाने का रुझान दिख रहा है। हालांकि 2013-14 तक यह चेतना इतनी प्रभावी थी कि यौन उत्पीड़न संबंधी कानूनों में तेजी से सुधार करते हुए इसके दायरे को काफी व्यापक बनाना संभव हो गया था। तरुण तेजपाल और आसाराम बापू जैसे मामलों में जिस तरह की ठोस कार्रवाई हुई, उसके पीछे इस चेतना की साफ भूमिका देखी जा सकती थी। इसका दबाव 2014 में लोकसभा चुनावों पर भी दिखा, जिसमें 'बहुत हुआ नारी पर वार...' जैसे नारे प्रमुखता से चले। मगर इसके बाद सोच की यह सक्रियता कुंद पड़ने लगी, जिसका नतीजा कठुआ, उन्नाव और हाथरस गैंगरेप जैसी घटनाओं में पुलिस प्रशासन के ढुलमुल रवैये के रूप में देखने को मिला। कठुआ मामले को तो इस मायने में भी ऐतिहासिक कहना होगा कि पहली बार वहां बाकायदा एक फ्रंट बनाकर आरोपियों के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की गई। राजनीति आम तौर पर परदे के पीछे से जो काम करती है, इस खास मामले में वह खुले रूप में कर रही थी। बहरहाल, भारतीय राजनीति से अब किसी सकारात्मक जीवन मूल्य के पक्ष में खड़े होने की उम्मीद भी नहीं की जाती। वह किसी भी मुद्दे या मूल्य को अपनी सुविधा के तर्क से ही अपनाती या छोड़ती है।

पुलिस और प्रशासन राजनीति के ही इशारों पर चलता है इसलिए उधर से भी रोशनी की कोई किरण अपवाद स्वरूप ही दिखती है। ऐसे में उम्मीद का कोई कोना अगर बचता है तो वह न्यायपालिका ही है। यौन उत्पीड़न के मामलों में इस कोने को देर तक बचाए रखने की सचेत कोशिशें सुप्रीम कोर्ट से ही अपेक्षित हैं।

शेयर बाजार में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स

जिगर डी वाढेर

इंटरनेट की दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण बात है इसकी गतिशीलता। इसमें नया बहुत जल्दी पुराना हो जाता है और नई संभावनाओं के द्वार खुल जाते हैं। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म नित नए रूप बदल रहे हैं। उनमें नए–नए फीचर्स जोड़े जा रहे हैं। इस सारी कवायद का मकसद है ऑडिएंस को ज्यादा से ज्यादा वक्त तक अपने प्लैटफॉर्म से जोड़े रखना। इसका बड़ा कारण इंटरनेट द्वारा पैदा हो रही आय भी है। सोशल मीडिया जन-सामान्य तक पहुंच रखने वाला एक तेज संचार माध्यम बन गया है। इसकी बदौलत स्मार्ट फोन रखने वाला हर ऐसा व्यक्ति, जिसकी सोशल मीडिया पर थोड़ी-बहुत भी फैन फॉलोइंग है, एक चलता-फिरता मीडिया हाउस बन गया है। इसी से उभरी है सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की नई पौध।

नए कंटेंट की जरूरत

लॉक डाउन के दौरान जब सभी घर के अंदर पड़े रहने को मजबूर हो गए थे, बाहर आना-जाना बिल्कुल बंद हो गया था, तभी बहुत से नए चेहरे सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट के बारे में जानकारी देने उतरे। अर्थशास्त्र और वित्तीय प्रबंधन क्षेत्र की जटिलता के कारण ऑडिएंस के तौर पर नए लोग इनसे जुड़े कंटेंट से दूरी बना कर रखते हैं। वे संगीत, समाचार और कॉमेडी जैसी सामग्री में ही संतुष्ट रहते हैं। पर देश में मध्यम वर्ग के बढ़ते आकार और इंटरनेट के विस्तार ने इस क्षेत्र में कंटेंट की जरूरत महसूस की जाने लगी थी। इंटरनेट कंटेंट क्रिएटर्स का ध्यान इस जरूरत की ओर जाना मुश्किल नहीं था। हालांकि ऑडिएंस की अरुचि के चलते आम तौर पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ब्रैंड और सेवाओं के अलावा आम रुचि के क्षेत्रों तक ही खुद को सीमित रखते रहे हैं। पर कोविड काल ने बहुत कुछ बदल दिया। उसी का एक परिणाम है इन इन्फ्लुएंसर्स का मनी मैनेजमेंट जैसे मुश्किल क्षेत्रों में लोकप्रिय हो जाना।

ऑनलाइन वीडियो इन साइट कंपनी विडूली के अनुसार यूट्यूब के वित्त क्षेत्र में देश के तीन सबसे बड़े चैनलों में प्रो कैपिटल डॉट मोहम्मद फैज चैनल (29.8 करोड़ व्यूज), फिनोवेशन जेड डॉट कॉम (9.9 करोड़ व्यूज के साथ 13 लाख सब्सक्राइबर) और असेटयोगी (7.8 करोड़ व्यूज के साथ 18 लाख सब्सक्राइबर) शामिल हैं। किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकलन का एक पैमाना देश की कुल जनसंख्या में शेयर निवेशकों का प्रतिशत भी होता है। इस मामले में भारत की स्थिति रोचक है। यहां लोग शेयर मार्केट में कम निवेश करते हैं। सवा अरब से ज्यादा आबादी वाले देश में सिर्फ 1 करोड़ 80 लाख शेयरों में पैसा लगाते हैं। ऐसी ही स्थिति म्यूचुअल फंड की भी है जिसमें सिर्फ दो करोड़ निवेशक हैं। शेयर बाजार के बारे में आम भारतीय को कम जानकारी है और चौबीस घंटे चलने वाले बिजनेस चैनल भी लोगों की जागरूकता बढ़ा पाने में नाकामयाब रहे। ऐसे में इंटरनेट पर एक बड़ा सेगमेंट इस क्षेत्र में खाली रहा जिसे भरने की कोशिश सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों की यह नई पौध कर रही है।

ये सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स उन नए निवेशकों के लिए बहुत लाभकारी हैं जिन्हें शेयर बाजार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं और जिन्हें शून्य से अपनी शुरुआत करनी है। स्टॉक मार्केट की विशेषीकृत शब्दावली आम निवेशकों को परेशान करती है। इंटरनेट इस लिहाज से उनके लिए खास तौर पर उपयोगी है। वहां लाखों ऐसे चैनल हैं जो लोगों को शेयर बाजार की बारीकियां आसान शब्दों में समझाते हैं। सच पूछें तो सस्ते डेटा ने हर शैली के मीडिया कंटेंट को बढ़ावा दिया है जिसमें शेयर बाजार और अर्थशास्त्र से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। मार्च 2020 में कोविड और लॉकडाउन के कारण शेयर बाजार ने बड़ा गोता लगाया था पर अब उसकी ऐतिहासिक बढ़त ने यह उम्मीद जगाई है कि कोविड महामारी से क्षतिग्रस्त अर्थव्यवस्था उम्मीद से पहले ही पटरी पर लौट आएगी। वित्त के क्षेत्र में शामिल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर न केवल अपने चैनल से पैसे बना रहे हैं बल्कि इस क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों से करार कर उन्हें भी प्रोमोट कर रहे हैं। ऐसे चैनल लोगों को अर्थ और वित्त के क्षेत्र में जागरूक तो कर ही रहे हैं, इस क्रम में नए लोगों को शेयर मार्केट से जोड़ने में भी मददगार हो सकते हैं।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि जिस तेजी से देश में इंटरनेट का विस्तार हो रहा है, उतनी ही रफ्तार से साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक लॉकडाउन के दौरान सिर्फ दिल्ली में साइबर अपराधों में नब्बे प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई जिसमें वित्तीय अपराधों का आंकड़ा कुल अपराधों का पचास प्रतिशत था। एक कंटेंट शैली के रूप में वित्त और अर्थ जैसे विषयों का इंटरनेट पर उभरना निश्चित रूप से देश के आर्थिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा संकेत है। लेकिन शेयर बाजार का इतिहास स्कैम और धोखाधड़ी से भरा हुआ रहा है। इस कारण नए निवेशक इसे निवेश के एक बेहतर विकल्प के रूप में नहीं देख पाते। इसके अलावा इंटरनेट पर होने वाले वित्तीय लेनदेन भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं माने जाते। जाहिर है, एक अनाम कंटेंट क्रिएटर की राय वित्त और अर्थ क्षेत्र की बारीकियों को समझने में दर्शकों की मदद भले ही कर सकती हो, पर उसकी राय के मुताबिक निवेश भी किया जाए, यह जरूरी नहीं।

यूजर्स के लिए नए विकल्प

इन कंटेंट क्रिएटर्स को देखने, इनकी बातें सुनने, इन्हें लाइक्स, व्यूज, सब्सक्रिप्शन देने और इनकी सलाह के मुताबिक निवेश करने के बीच काफी फासला होता है। तो भविष्य में यह देखना दिलचस्प होगा कि अर्थ-वित्त और इंटरनेट की यह जुगलबंदी आम निवेशकों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में शेयर बाजार से जोड़ पाएगी, या यह दौर बाजार की ताकत में कोई खास इजाफा किए बगैर कुछ समय बाद थम जाएगा। जो भी हो, इतना तय है कि इंटरनेट के कंटेंट क्रिएटर संगीत, कॉमेडी और समाचार जैसे प्रचलित विषयों से इतर सोच रहे हैं। इससे इंटरनेट यूजर्स को नए विकल्प मिलते हैं और कम से कम बतौर दर्शक इससे जुड़े रहने की ज्यादा वजहें भी मिलती हैं।

मेट्रो शहरों का दबदबा टूटने के बाद अब मैदान में चमक बिखेर रहे कमजोर परिवारों के बच्चे

भूपेन्द्र पटेल

क्रिकेट को दीवानगी की हद तक प्यार करने वाले अपने देश में आजकल खुशी का माहौल है।

इसकी वजह है पहली बार ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया को लगातार दूसरी बार उसके घर में मात देते हुए टेस्ट सीरीज पर कब्जा जमाना। सीरीज ने ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर और टी नटराजन के रूप में देश को नए क्रिकेट हीरो दिए हैं। ये सभी खिलाड़ी या तो छोटे शहरों-कस्बों से ताल्लुक रखते हैं या फिर गरीब और कमजोर पृष्ठभूमि वाले हैं। क्रिकेट प्रेमियों ने टीम का भव्य स्वागत कर इन नए हीरोज के प्रति अपने जज्बात दिखा दिए हैं।

कपिलदेव का उदय

भारतीय टीम की यह सफलता देश में बदले ट्रेंड की तस्वीर दिखाती है। भारतीय क्रिकेट का इतिहास देखें तो शुरुआती दौर में क्रिकेट पर राजा-महाराजाओं का दबदबा था लेकिन 1931 में भारत के टेस्ट खेलना शुरू करने के बाद धीरे-धीरे क्रिकेट पर मेट्रो शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता का दबदबा बन गया। यह दबदबा छह-सात दशक तक बना रहा। इस दौरान 1978 में कपिलदेव का उदय हुआ और लगा कि छोटे शहरों के क्रिकेटर भी टीम में स्थान बना सकते हैं। यह सही है कि कपिलदेव की अगुआई में 1983 में विश्व कप जीतने से देश भर के युवा क्रिकेटरों को इस तरफ आने की प्रेरणा मिली, लेकिन क्रिकेट मेट्रो शहरों की जकड़ से बाहर नहीं निकल सका।

सही मायनों में माहौल साल 2000 में महेंद्र सिंह धोनी के आने के बाद बदला। धोनी न केवल रांची जैसे छोटे शहर से ताल्लुक रखते थे बल्कि साधारण पृष्ठभूमि से भी आते थे।

इससे छोटे शहरों के अलावा कमजोर पृष्ठभूमि वाले क्रिकेटरों में भी यह जज्बा जगा कि वे टीम इंडिया में स्थान बना सकते हैं। धोनी से प्रेरणा पाकर ढेरों छोटे शहरों के क्रिकेटरों ने यह उपलब्धि हासिल की। स्थिति यह हो गई कि पिछले एक दशक में टीम इंडिया को मेट्रो शहरों से ज्यादा क्रिकेटर छोटे शहरों और कस्बों ने दिए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट के लिए चुनी गई टीम में भी आधे से ज्यादा क्रिकेटर छोटे शहरों से आते हैं।

धोनी के क्रिकेट में आने और आसमानी ऊंचाई हासिल करने से पहले हमें छोटे शहरों के क्रिकेटरों के ऐसे किस्से ही सुनने को मिलते थे कि वे टीम इंडिया के ट्रायल में गए और बेइज्जत होकर लौट आए। उदाहरण के लिए यूपी के आनंद शुक्ला का किस्सा बताया जाता है, जिसके मुताबिक उन्हें ट्रायल के लिए मुंबई बुलाया गया और पॉली उमरीगर ने उनकी गेंदों पर एक ओवर में पांच छक्के लगाकर उन्हें घर लौटा दिया। सच यह है कि यूपी जैसे देश के तमाम प्रदेशों के क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका ही नहीं मिल पाता था। लेकिन धोनी के आगमन के बाद हरभजन सिंह, ईशांत शर्मा, आरपी सिंह, सुरेश रैना जैसे दर्जनों क्रिकेटर अपने सपनों को साकार करने में सफल हुए।

ग्रेग चैपल ने 2005 में भारतीय टीम का कोच बनने के बाद इस सच को पहचाना। उन्होंने कहा था कि अब भारत में क्रिकेटर मेट्रो शहरों के बजाय छोटे शहरों से आएंगे, इसलिए इन शहरों को प्रतिभाएं तलाशने पर ध्यान देना चाहिए। धोनी से पहले की स्थिति का अंदाजा खुद धोनी के उदाहरण से हो जाता है। वह युवराज की पंजाब एकादश के खिलाफ 1999 में अंडर-19 टूर्नामेंट के फाइनल में शेष भारत एकादश से खेले थे और प्रदर्शन भी शानदार किया था। फिर भी युवराज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना शुरू करने के कई साल बाद ही उन्हें भारतीय टीम में जगह मिल सकी।

यह भी किसी हद तक सच है कि छोटे शहरों और गांवों के क्रिकेटरों का लालन-पालन मुश्किल हालात में होता है। उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए जीतोड़ मेहनत करनी पड़ती है।

अब आप ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज, नटराजन, वाशिंगटन सुंदर, शुभमन गिल और शार्दूल ठाकुर के शुरुआती करियर पर नजर डालें तो साफ होता है कि उन्होंने अपने सपने साकार करने के लिए किस तरह की दिक्कतें झेली हैं।

पंत उत्तराखंड के छोटे से शहर रुड़की के रहने वाले हैं। उन्हें दक्षिण दिल्ली स्थित तारक सिन्हा की क्रिकेट अकादमी में अभ्यास कराने के लिए उनकी मां रात 2.30 बजे की बस से बैठकर दिल्ली आती थीं। शार्दूल ठाकुर पालघर से 90 किमी की यात्रा करके शुरुआती प्रशिक्षण के लिए मुंबई आते थे। तमिलनाडु के शहर सालेम से 36 किमी दूर स्थित चिन्नप्पमपट्टम में रहने वाले नटराजन के पिता थंगारासु करघा कारीगर थे और माता खाने की दुकान चलती थीं। हालात इतने खराब थे कि नटराजन को क्रिकेट के जूते खरीदने के लिए भी महीनों सोचना पड़ता था। मोहम्मद सिराज बड़े शहरों में शुमार हैदराबाद के रहने वाले हैं लेकिन उनके पिता मोहम्मद गौस ऑटो रिक्शा चलाते थे। उन्होंने बेटे की जरूरतों को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किए। उनकी दिली ख्वाहिश थी कि बेटा टेस्ट क्रिकेट खेले। बेटा टेस्ट क्रिकेट खेला भी पर इसके ठीक पहले पिता का इंतकाल हो गया।

उनके निधन का समाचार मिलने के बाद भी सिराज ने टेस्ट खेलकर पिता का सपना साकार करने का निश्चय किया और तीन टेस्ट में 13 विकेट लेकर भारत के सफलतम गेंदबाज बने।

मुश्किलों से जूझने का जज्बा

शुभमन गिल, नवदीप सैनी और वाशिंगटन सुंदर की भी मुश्किलों भरी कहानी रही है लेकिन सबमें एक बात समान है कि इन सबने और इनके घरवालों ने भी राह में आई मुश्किलों का दिलेरी से सामना किया।

इसीलिए उनका जज्बा सलाम करने लायक है।

पृथ्वी शॉ और यशस्वी जायसवाल जैसे क्रिकेटर भी इसी श्रेणी में आते हैं, जिन्होंने अपनी लगन से कामयाबी पाकर देश की क्रिकेट का ट्रेंड बदल दिया है। इस बदले माहौल में अब यह मायने नहीं रखता कि आप गरीब परिवार से हैं या छोटे शहर या कस्बे या गांव से आए हैं। आप में प्रतिभा के साथ आगे बढ़ने की लगन है तो आपको अपने सपने साकार करने के लिए कोई न कोई राह मिलनी तय है।

टीआरपी मामला: मुंबई पुलिस ने रिपब्लिक टीवी, अर्णब गोस्वामी के दावों को खारिज किया

मुंबई, टीआरपी घोटाला मामले को लेकर रिपब्लिक टीवी और इसके प्रधान संपादक अर्णब गोस्वामी की तरफ से लगाए गए दुर्भावना के आरोपों को मुंबई पुलिस ने खारिज किया है। न्यायमूर्ति एसएस शिंदे और न्यायमूर्ति मनीष पिटाले की पीठ के सामने सोमवार को दाखिल किए गए दो हलफनामों में मुंबई पुलिस ने कहा कि उसने इस मामले में गोस्वामी और रिपब्लिक टीवी के अन्य पदाधिकारियों समेत किसी को भी गलत तरीके से नहीं फंसाया था। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की तरफ से दाखिल किए गए हलफनामों में पुलिस ने कहा कि उसे घोटाले के बारे में वैध शिकायत प्राप्त हुई थी और उसने शुरुआती पड़ताल और 'बार्क' की तरफ से सौंपी गई विश्लेषणात्मक रिपोर्ट के बाद ही जांच शुरू की थी।

पुलिस ने कहा कि उसे रिपब्लिक टीवी समेत तीन चैनलों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिले थे। रिपब्लिक टीवी चैनलों का संचालन करने वाली कंपनी एआरजी आउटलायर मीडिया की याचिका के जवाब में ये हलफनामे दाखिल किए गए थे। याचिका में कंपनी ने पिछले साल उच्च न्यायालय से चैनल एवं गोस्वामी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द करने का अनुरोध किया था।

टीआरपी घोटाला मामले को लेकर रिपब्लिक टीवी और इसके प्रधान संपादक अर्बण गोस्वामी की तरफ से लगाए गए दुर्भावना के आरोपों को मुंबई पुलिस ने खारिज किया है। कोर्ट में पेश अपने हलफनामे में मुंबई पुलिस ने कहा है कि पर्याप्त सबूत मिलने के बाद ही रिपब्लिक के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई है।

बांबे हाई कोर्ट ने कहा, पीड़िता की गवाही विश्वास योग्य नहीं; दुष्कर्म के दो आरोपितों को किया बरी

नई दिल्ली, प्रेट्र। बांबे हाई कोर्ट ने हाल ही में दो मामलों में अपने फैसले में नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म के दो आरोपितों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि पीड़िता की गवाही आरोपित को अपराधी ठहराने का विश्वास कायम नहीं करती है। बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत यौन हमले की अपनी व्याख्या के लिए आलोचनाओं का सामना कर रही बांबे हाई कोर्ट की न्यायाधीश ने एक बार फिर अनोखा फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति पुष्पा गनेदीवाला ने हाल ही में अपने एक फैसले में 12 साल की लड़की के अंग विशेष को छूने के आरोपित को यह कहते हुए बरी कर दिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। एक अन्य फैसले में उन्होंने कहा कि पांच साल की बच्ची का हाथ पकड़ना और पैंट की चेन खोलना पॉक्सो अधिनियम के तहत यौन हमले के दायरे में नहीं आता। उन्होंने अपने दो अन्य फैसलों में नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म के दो आरोपितों को यह कहते हुए बरी कर दिया था कि पीड़िता की गवाही आरोपित को अपराधी ठहराने का भरोसा कायम नहीं करती है।

बच्चों को खाना खिलाने को लेकर पत्नी के साथ झगड़ा, BARC के वैज्ञानिक ने कर ली खुदकुशी

मुंबई, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बार्क) के एक वैज्ञानिक अधिकारी ने कथित तौर पर पत्नी से झगड़े के बाद उपनगर ट्रॉम्बे स्थित अपने आवास में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना बृहस्पतिवार की है और मृतक की पहचान अनुज त्रिपाठी के तौर पर की गई है। ट्रॉम्बे पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक सिद्धेश्वर गोवे ने बताया, 'बृहस्पतिवार सुबह त्रिपाठी का अणुशक्तिनगर स्थित आवास पर अपनी पत्नी के साथ बच्चों को खाना खिलाने को लेकर तेज झगड़ा हुआ। बाद में उसने बेडरूम में तौलिए के सहारे पंखे से फांसी लगा ली।' डॉक्टर नहीं बचा सके जान गोवे ने बताया कि त्रिपाठी की पत्नी और कुछ पड़ोसी उन्हें अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ट्रॉम्बे पुलिस थाने में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच चल रही है।

फिल्म में काम दिलाने के नाम पर धोखा:मुंबई में 14 साल की नाबालिग को बेचते हुए पकड़े गए तीन कास्टिंग डायरेक्टर्स, 3.5 लाख रुपए में किया था सौदा

फिल्मों और सीरियल में काम दिलाने के बहाने स्ट्रगलिंग एक्ट्रेस को देह व्यापार में धकेलने के आरोप में 3 कास्टिंग डायरेक्टर्स को मुंबई पुलिस ने अरेस्ट किया है। इस कार्रवाई में एक 14 साल की नाबालिग लड़की को मुक्त कराया गया है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने पीड़िता को 3.5 लाख रुपए में बेचा था। घटना गुरुवार रात की है। सोशल सर्विस ब्रांच के डीसीपी राजू भुजबल ने बताया कि मुखबिरों के माध्यम से उन्हें एक 14 साल की बच्ची को बेचने की सूचना मिली थी। इसके बाद नकली ग्राहक बनाकर इनके पास एक पुलिसकर्मी को भेजा गया और सौदा करते वक्त पुलिस ने कास्टिंग डायरेक्टर आशीष पटेल, विनोद अनेरिया और मो. शेख को अरेस्ट किया है। नाबालिग होने की वजह से लड़की के लिए मांगे 3.5 लाख रुपए

सौदे के दौरान एक आरोपी ने कहा-वे 14 साल की लड़की वेश्यावृत्ति के लिए मुहैया कराएंगे और हर बार के लिए वे 3.5 लाख रुपये चार्ज करेंगे। आरोपी बार-बार यही कहते रहे कि क्योंकि लड़की चौदह साल की है और नाबालिग है, इसलिए हर बार उसके लिए 3.5 लाख रुपये की मांग होगी। इस मीटिंग के बाद अंधेरी के एक होटल में पुलिस टीम ने जाल बिछाया। जहां पीड़ित लड़की के साथ आरोपी कास्टिंग डायरेक्टर को बुलाया गया था।

मुंबई में सर्दी के तेवर गर्म, 13 डिग्री तक जा सकता है पारा

मुंबई, पूरे देश में इस समय ठंड जोरों पर है। अब मुंबई भी इससे अछूती नहीं है। मुंबई में पिछले कुछ दिनों से उत्तर पूर्वी हवाएं भी चल रही हैं, जिससे तापमान में गिरावट हुई है और ठंड बढ़ी है। पिछले 3 दिनों से मुंबईकर उत्तर भारत जैसी ठंड का सामना कर रहे हैं। कई लोग तो सबेरे स्वेटर, शॉल और अन्य ऊनी कपड़े पहनकर बाहर निकल रहे हैं।

मौसम वैज्ञानिक दिनेश मिश्रा ने अंदाजा लगाया है कि उत्तर-पूर्व की तरफ से चल रही हवाओं से पश्चिमी उत्तर में बने कोल्डवेव का असर मुंबई के तापमान पर पड़ रहा है, जिससे न्यूनतम तामपान में गिरावट हुई है। इस कोल्ड वेव के कारण मुंबई ही नहीं मुंबई के आसपास इलाकों में भी ठंड का असर बढ़ा है।

मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को मुंबई का तापमान 14.8 सेल्सियस तक पहुंच गया है। दिनेश मिश्रा ने संभावना जताई है कि पारा 13 डिग्री तक जा सकता है। ठंड का यह माहौल आगामी दो से तीन दिन तक बना रहेगा। मौसम विभाग की सांताक्रूज ऑब्जर्वेटरीज ने गुरुवार को 15.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया, जबकि कोलाबा की ऑब्जर्वेटरीज ने न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

सर्द हवाओं ने कंपाया

क्षेत्रीय मौसम विभाग के उपमहानिदेशक के. एस. होसलिकर का कहना है कि यह सर्दी कम समय के लिए ही रहेगी और आगामी दिनों में तापमान बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि इससे पहले इस मौसम का सबसे कम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस था, जो पिछले महीने दर्ज किया गया था। सांताक्रूज वेधशाला में शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह इस मौसम का सबसे कम तापमान है। होसलिकर के मुताबिक, मौसम में इस तरह का बदलाव पश्चिमी विक्षोभ का नतीजा है, जिसके चलते उत्तर भारत से ठंडी और शुष्क हवाएं यहां तक पहुंच जाती हैं।

सबसे कम तापमान

मुंबई में जनवरी के महीने में सबसे कम तापमान 22 जनवरी 1962 को दर्ज किया गया था। पिछले एक दशक में सबसे ठंडा दिन 29 जनवरी 2012 रहा है। उस दिन यहां का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस मापा गया था।

मुंबई में 1 फरवरी से लोकल ट्रेन में सफर कर सकेंगे आम लोग, जानिए गाइडलाइंस

मुंबई, आखिरकार महाराष्ट्र की उद्धव सरकार ने आम मुंबईकरों को लोकल में यात्रा की अनुमति दे दी है। इस प्रस्ताव को रेल मंत्री पीयूष गोयल ने सहमति देते हुए 1 फरवरी से आम लोगों के लिए लोकल ट्रेनें शुरू करने का ऐलान किया। हालांकि उनके सफर के लिए समय की सीमा तय की गई है। साथ ही यात्रियों को लोकल में सफर करते कुछ गाइडलाइंस को मानना होगा। लोकल की ये होगी टाइमिंग

आम जनता को दिन की पहली लोकल चलने से सुबह 7 बजे तक, फिर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक और उसके बाद रात 9 बजे से आखिरी लोकल चलने तक यात्रा करने की अनुमति दी गई है।

सीजन टिकट को लेकर ये शर्तें

लोकल में यात्रा के लिए टिकट को लेकर रेलवे ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक यात्री को पहले की तरह सीजन टिकट दिए जाएंगे। इसके अलावा, 22 मार्च 2020 से पहले लिए गए सीजन टिकट में यदि दिन बचे हैं, तो उन्हें नए सीजन टिकट में जोड़ दिया जाएगा।

...तो यात्री पर होगी कार्रवाई मुंबईकरों को यात्रा के दौरान कोविड संक्रमण को रोकने से जुड़ी शर्तों के साथ एक और खास बात पर ध्यान होगा। यदि कोई सामान्य यात्री बिना अनुमति वाले समय में सफर करते हुए पकड़ा जाता है, तो उस पर कार्रवाई हो सकती है।

शुरू हो चुकी हैं 95 फीसदी लोकल ट्रेनें

शुक्रवार से मुंबई में करीब 95 फीसदी लोकल ट्रेनें शुरू हो चुकी हैं। पश्चिम और मध्य रेलवे की कुल 2,986 सर्विसेज आरंभ हो गई हैं। सामान्य तौर पर मुंबई में रोज 3,141 सर्विस चलती थीं। रेलवे के एक आला अधिकारी ने बताया कि जल्द ही सभी सर्विस को शुरू कर दिया जाएगा।

लिफ्ट्स और एस्केलेटर्स पर जल्द फैसला

रेलवे ने कहा है कि जल्द ही सभी बुकिंग खिड़कियां खोली जाएंगी। सभी एटीवीएम मशीनें शुरू की जाएंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए सभी लिफ्ट्स और एस्केलेटर्स भी शुरू किए जाएंगे। लॉकडाउन के दौरान इन्हें काफी सीमीत कर दिया गया था।

लोकल- घटे, फिर बढ़ते रहे यात्री

तारीख	कुल सर्विस	कुल यात्री
21-03-2020	3,141	80 लाख
15-06-2020	282	30 हजार
19-10-2020	1,410	3.5 लाख
01-11-2020	2,020	9.5 लाख
03-11-2020	2,773	10 लाख
18-11-2020	2,781	13 लाख
29-01-2021	2,986	19 लाख

नाना पाटोले होंगे महाराष्ट्र के नए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष! वरिष्ठ नेताओं को सोनिया ने दिल्ली बुलाया

मुंबई, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नाना पाटोले का नाम लगभग फाइनल हो गया है। कांग्रेस के दिल्ली स्थित सूत्रों ने यह दावा किया है। उनके प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्ति का ऐलान अगले कुछ दिन में कर दिया जाएगा। खबर तो यहां तक है कि नाना पाटोले को जल्द ही राज्य मंत्रिमंडल में भी शामिल किया जा सकता है। सोनिया गांधी ने महाराष्ट्र कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेता दिल्ली बुलाए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष बालासाहेब थोरात, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान पीडब्ल्यूडी मंत्री अशोक चव्हाण, ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत तथा मदद और पुनर्वास मंत्री विजय वाडेट्टीवार और नाना पाटोले शनिवार को दिल्ली में सोनिया गांधी से मिलने वाले हैं। खबर है कि महाराष्ट्र के इन नेताओं की सोनिया गांधी से शाम 4 बजे मुलाकात होगी। पाटोले पर राज्य में सहमति नहीं खबर यह भी है कि महाराष्ट्र के बड़े मराठा नेता नाना पाटोले के नाम पर अब तक सहमत नहीं हैं। इन नेताओं का तर्क है कि बाहर से आए पाटोले को संगठन में इतनी बड़ी जिम्मेदारी देना फिलहाल ठीक नहीं होगा। पाटोले पहले एनसीपी में थे, वहां से वे बीजेपी में गए और बीजेपी से कांग्रेस में आए हैं। कांग्रेस में आते ही 3 साल में पार्टी उन्हें तीन बड़े पद सौंप चुकी है। इनमें कांग्रेस किसान मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष, फिर भंडारा गोंदिया विधानसभा सीट के उपचुनाव का टिकट देकर उन्हें विधायक बनाया गया और उसके बाद फिर 2019 में वापस विधायक चुनकर आने पर उन्हें महाराष्ट्र विधानसभा का अध्यक्ष बनाया गया। महाराष्ट्र के बड़े नेताओं का कहना है कि पाटोले को सत्ता में कुछ भी दिया जा सकता है, लेकिन संगठन की जिम्मेदारी खानदानी और निष्ठावान कांग्रेसी के पास ही रहनी चाहिए। यही वजह है कि राज्य के मराठा नेता बालासाहेब थोरात को ही प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखने की वकालत कर रहे हैं।राहुल के चहेते हैं पाटोले जब से नरेंद्र मोदी के खिलाफ बगावत करके पाटोले बीजेपी से बाहर आए हैं, वह राहुल गांधी की गुड बुक में हैं। यही वजह है कि महाराष्ट्र के बड़े नेता पाटोले के खिलाफ खुलकर कुछ नहीं बोल पा रहे हैं। नाना पाटोले को प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री बनाए जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष का पद रिक्त होगा। कांग्रेस आलाकमान को इस पद के लिए भी किसी एक नेता का चयन करना होगा।

उद्धव के बाद अब राज ठाकरे जाएंगे अयोध्या, मार्च महीने में करेंगे रामलला के दर्शन

मुंबई, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के अध्यक्ष राज ठाकरे (Raj Thackeray) आगामी 1 मार्च से 9 मार्च के दौरान 1 दिन के लिए अयोध्या (Ayodhya) रामलला के दर्शन के लिए जाएंगे। मनसे नेता बाला नांदगावकर ने बताया कि आगामी चुनावों को देखते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने एक बैठक का आयोजन किया था। जिसमें उनके अयोध्या दौरे पर भी चर्चा हुई है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने अपने स्थापना दिवस पर महाराष्ट्र की जनता के बीच में पहुंचने का मेगा प्लान एमएनएस ने तैयार किया है।मराठी भाषा दिवस पर मराठी हस्ताक्षर मुहिम

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के वरिष्ठ नेता सभी लोकसभा क्षेत्रों में जाएंगे। इस बात की जानकारी राज ठाकरे को दी जाएगी। 27 फरवरी को कुसुमाग्रज का जन्मदिन मराठी राजभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन एक त्यौहार के रूप में मराठी हस्ताक्षर अभियान की भी शुरुआत की जाएगी। राज ठाकरे हस्ताक्षर मुहिम के लिए खुद मुंबई और ठाणे की यात्रा करेंगे। इस दौरान मराठी पढ़ाने वाले शिक्षक,संपादक, लेखक, कवि और खिलाड़ी सबका सम्मान महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना करेगी।

पार्टी वर्षगांठ पर राज ठाकरे के भाषण

राज ठाकरे 9 मार्च को पार्टी की वर्षगांठ पर महाराष्ट्र की जनता को संबोधित करेंगे। आगामी चुनावों को देखते हुए 9 फरवरी से लेकर 12 अप्रैल तक महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना नए सदस्यों के पंजीकरण का भी अभियान शुरू करेगी। उन्हें महाराष्ट्र सैनिक के रूप में पहचान पत्र भी दिया जाएगा। सभी गट अध्यक्षों को नए राजदूत नाम से पुकारा जाएगा। इसके लिए उन्हें बिल्ला भी दिया जाएगा। जो लोग अपने दम पर अपने शहर के लिए काम करते हैं उन्हें राज ठाकरे द्वारा हस्ताक्षर किए हुए पत्र भी दिए जाएंगे।

जंबो कोविड सेंटर की सेवाएं 31 मार्च तक रहेंगी, आम यात्रियों को इजाजत के बाद लोकल में भीड़ को देखकर हुए BMC ने लिया फैसला

मुंबई, आम यात्रियों के लिए 1 फरवरी से लोकल ट्रेन के दरवाजे खुलने वाले हैं। मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना, भीड़ टालना आदि नियमों का पालन करना यात्रियों के लिए अनिवार्य है। इन नियमों के पालन के साथ ही बीएमसी ने एहतियात के रूप में 31 मार्च तक 6 जंबो कोविड सेंटर चालू रखने का निर्णय लिया है। बीते वर्ष मार्च में मुंबई में कोरोना के मरीज मिलने शुरू हुए थे, तभी से मुंबई की लाइफलाइन आम यात्रियों के लिए बंद कर दी गई थी। अब कोरोना के नियंत्रण में आने के बाद कुछ शर्तों के साथ राज्य सरकार ने आम यात्रियों के लिए लोकल ट्रेन के दरवाजे 1 फरवरी से खोल दिए हैं। इससे लोकल ट्रेन में भीड़ होना लाजिमी है। इस दौरान आम यात्रियों को यात्रा के दौरान सतर्कता बरतते हुए नियमों का पालन करना होगा। इस बढ़ती भीड़ से कोरोना मरीजों का ग्राफ बढ़ने की आशंका को देखते हुए बीएमसी के स्वास्थ्य विभाग ने भी अपनी तैयारी पूरी की है।

31 मार्च तक अपने 6 जंबो कोविड केयर सेंटर्स को जारी रखने का निर्णय लिए जाने की जानकारी बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना भले ही नियंत्रण में आ गया हो, लेकिन संकट अभी टला नहीं है। आम यात्रियों के लोकल शुरू होने से होने वाली भीड़ की संभावना को नकारा नहीं जा सकता, इसलिए 6 जंबो कोविड केयर सेंटर्स को चालू रखने के अलावा बीएमसी और निजी अस्पतालों में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए व्यवस्था की गई है। 01 फरवरी 2021: समय सीमा की शर्त के साथ आम यात्रियों को इजाजत

सप्ताह में कम से कम एक बार क्यों करना चाहिए बॉडी को डिटॉक्स, जानें डिटॉक्सिफिकेशन के पांच बेस्ट नेचुरल तरीके

सोनल झालावाड़िया

पार्टी में अक्सर हम कुछ न कुछ ऐसा खा लेते हैं जिससे हमारा पेट खराब हो जाता है। वहीं, कभी – कभी कुछ चीजें ऐसी होती हैं

जिन्हें खाने के बाद हमें एहसास होता है कि ये चीजें सेहत के साथ स्किन के लिए भी ठीक नहीं है। खासतौर पर किसी फेस्टिवल या पार्टी में हम कुछ ज्यादा खा लेते हैं ऐसे में बॉडी डिटॉक्स करके हम काफी हद तक समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। आइए, जानते हैं डिटॉक्सीफिकेशन के कुछ नेचुरल तरीके-

डिटॉक्सिफिकेशन क्या है और क्यों है जरूरी

गंदगी सिर्फ हमारे आसपास ही मौजूद नहीं होती है, बल्कि यह हमारे शरीर में भी होती है। इसके कारण ही कई प्रकार की बीमारियां जैसे- तनाव, अनिद्रा, कोल्ड एंड फ्लू, अपच, वजन बढ़ना आदि होने लगती हैं। समय रहते इनका उपचार न किया जाए, तो ये सामान्य बीमारियां गंभीर रूप ले सकती हैं। इसलिए इन सामान्य लक्षणों को जानकर इनका उपचार करना जरूरी है। शरीर को विषैले पदार्थों से मुक्त करवाना, पोषण देना और आराम पहुंचाना डिटॉक्सिफिकेशन कहलाता है।

डिटॉक्सिफिकेशन के दौरान शरीर से विषैले पदार्थ निकल जाते हैं और शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे किडनी, त्वचा, फेंफड़े, आंत आदि स्वस्थ रहते हैं। शरीर को डिटॉक्स करने के लिए आपको कुछ खाद्य और पेय पदार्थों का सेवन करना बहुत जरूरी होता है। डिटॉक्स, शरीर और दिमाग को स्वस्थ और तरोताजा रखने की प्रक्रिया है। इससे मानसिक तनाव और दूसरे विकार दूर भागते हैं और नई ऊर्जा का संचार होता है। इन कारणों से सप्ताह में एक बार जरूर बॉडी को डिटॉक्स करना चाहिए।

नींद पूरी करें -7 से 8 घंटे की नींद आपकी सेहत के लिए बेहद जरुरी है। दिवाली के दौरान हम सो नहीं पाते, ऐसे में सेहत पर इसका असर पड़ता है। नींद बॉडी डिटॉक्सीफिकेशन के लिए बेहद जरुरी है।

वर्कआउट करें -एक्सरसाइज का मतलब जिम जाना और भारी वजन उठाना या कार्डियो करना नहीं है। आप स्पीड वाकिंग, साइकिल चलाने या घर पर दस मिनट की बॉडीवेट एक्सरसाइज की तरह कुछ हल्के-फुल्के वर्कआउड कर सकते हैं।

फल खाएं -विटामिन और मिनरल जहां कोशिकाओं के निर्माण के लिए बहुत जरुरी है। साथ ही फलों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट कोशिकाओं को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाते हैं, इसलिए मिठाईयों के बाद जमकर फल खाने चाहिए। भरपूर मात्रा में पानी पिएं पानी आपके शरीर से सभी अतिरिक्त फैट और शुगर को बाहर निकालने में मदद करता है।

बासी होने पर इन 7 चीजों को खाने से बढ़ता है बीमारियों का खतरा

संजय शर्मा

ज्यादातर लोग रात का बचा हुआ खाना अगले दिन खाते हैं। इससे खाना तो नुकसान होने से बच जाता है लेकिन हम अनजाने में कई बीमारियों को बुलावा दे बैठते हैं। खासकर कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें बासी खाना आपको काफी महंगा पड़ सकता है। आइए, जानते हैं वो कौन-सी चीजें हैं जिन्हें बासी नहीं खाना चाहिए-

अंडे- अंडे में सबसे ज्यादा साल्मोनेला होता है।' साल्मोनेला एक तरह का बैक्टीरिया होता है जो कच्चे या अधपके अंडे में पाया जाता है। इसकी वजह से बुखार, पेट में दर्द और डायरिया जैसी बीमारियां हो सकती हैं इसलिए अंडे को पूरी तरह पकाकर खाने की सलाह दी जाती है। खासकर फ्रिज में रखी बासी अंडे की सब्जी बिना गर्म करे नहीं खानी चाहिए।

आलू - आलू को पकाने के बाद अगर लंबे समय तक ठंडा छोड़ दिया जाए तो इसमें क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नाम का बैक्टीरिया पनपने लगता है। इस बैक्टीरिया की वजह से पेट में गैस, सिरदर्द जैसी परेशानी हो सकती है।

पालक- पालक में भरपूर मात्रा में नाइट्रेट पाया जाता है जो ज्यादा पकाने पर कार्सिनोजेनिक नाइट्रोसेमाइंस में बदल जाता है। इसलिए बासी रखे पालक को फिर से गर्म करके खाने से बचना चाहिए जबकि बासी सब्जी को फ्रिज से निकालते ही खा लेने से पेट की बीमारियां, स्किन एलर्जी जैसे खतरे होते हैं।

चावल - पके हुए चावल को रूम टेंपरेचर पर देर तक छोड़ने से इसमें बेसिलस सेरेस बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। बचे चावल को कई बार गर्म करके खाने से फूड प्वाइजनिंग का खतरा हो जाता है।

चिकन - कच्चे चिकन में भी साल्मोनेला बैक्टीरिया होता है और बहुत देर तक रखने पर ये बैक्टीरिया तेजी से बढ़ने लगते हैं। इससे बचने के लिए चिकन को माइक्रोवेव करने की जगह तेज आंच पर गर्म करना चाहिए जिससे यह अंदर तक पक जाए।

ऑयली फूड - ऑयली फूड्स को गर्म करने से इनमें हानिकारक केमिकल्स बनने लगते हैं जो सेहत के लिए बहुत खतरनाक हैं। अगर आपको इसे खाना ही है तो या तो इसे बिना गर्म किए खाएं या धीमी आंच पर गर्म करें।

World Leprosy Day 2021: जानें क्या होता है कुष्ठ रोग, इसके लक्षण और बचाव के उपाय

दुनिया भर में हर साल 30 जनवरी को विश्व कुष्ठ दिवस (World Leprosy Day) मनाया जाता है। यह खास दिवस लोगों के बीच कुष्ठ रोग को लेकर जागरूकता फैलाने और इसकी रोकथाम (Prevention) करने के लिए मनाया जाता है। लेप्रोसी को लेकर लोगों में कई तरह के भ्रम फैले हुए हैं जैसे छूने या हाथ मिलाने, साथ में उठने-बैठने से कुष्ठ रोग होता है। इतना ही नहीं कई लोग इस रोग को लाइलाज भी मानते हैं, लेकिन कुष्ठ रोग का इलाज आसानी से किया जा सकता है।

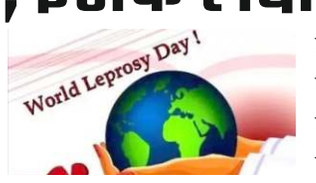

सबसे पहले कुष्ठ रोग दिवस फ्रांस के समाजसेवी राउल फोलेरो द्वारा साल 1954 में मनाया गया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य कुष्ठ रोग के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाना था।

क्या होता है कुष्ठ रोग-

कुष्ठ रोग को हेन्संस रोग भी कहा जाता है। कुष्ठ रोग माइक्रोवेक्टीरियमलैप्री नामक जीवाणु की वजह से होता है। यह आनुवांशिक एवं छुआछूत रोग नहीं है। इसका मतलब यह साथ खाने, उठने बैठने से नहीं फैलता है। समय से जांच और उपचार मिलने पर व्यक्ति को दिव्यांगता से भी बचाया जा सकता है।

कुष्ठ रोग के लक्षण-

-चेहरे या कान के आस-पास गांठें या सूजन, जिसमें दर्द न हो

-त्वचा पर हल्के रंग के धब्बे, जो चपटे और फीके रंग के दिखते हैं

-पैरों के तलुओं पर ऐसा घाव जिसमें दर्द न हो

-मांसपेशी में कमज़ोरी

-छाती पर बड़ा, अजीब से रंग का घाव या निशान

-आंखों की समस्याएं, जिनसे अंधापन तक हो सकता है

-हथेली और तलवों पर सुन्नपन होना

-इस रोग के लक्षण दिखने में 2 से 5 साल का समय लग सकता है।

- पैरालिसिस या हाथों और पैरों का अपंग होना

कुष्ठ रोग से बचाव के उपाय-

- लक्षणों पर नजर रखना।

- चोट से बचें और घाव को साफ रखें।

- बच्चों में कुष्ठ रोग की संभावना व्यस्कों से अधिक होती है इसलिए बच्चों को हमेशा संक्रमित व्यक्ति से दूर रखें।

- लंबे समय तक संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में न रहें।

-इसके अलावा एंटीबायोटिक दवाओं से भी इसका इलाज संभव है।

इन पांच आयुर्वेदिक तेल की चम्पी से उतर जाएगी शरीर की थकान, बाल बनेंगे स्वस्थ और मिलेगी मानसिक शांति

भागती-दौड़ती जिंदगी में अक्सर हमें थकान महसूस होती रहती है। साथ ही हम बहुत सी चीजों पर प्रतिक्रिया न देकर अपने अंदर ऊर्जा रखते रहते हैं, जो एक समय बाद हमें अंदर ही अंदर परेशान करना शुरू कर देती है। बहुत से लोग हमेशा सिरदर्द की चपेट में रहते हैं, इसके पीछे यह कारण भी अहम होता है।ऐसे में बेहद जरूरी है कि आप मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू करें। वहीं, अगर आपको हमेशा थकान रहती है और किसी भी वजह से नींद नहीं आती, कुछ आयुर्वेदिक ऐसे होते हैं, जो आपकी थकान मिटा देते हैं।

लैवेंडर ऑयल

इसकी महक आपको सुलाने के अलावा आपके मन में हो रही उथल-पुथल को भी काफी हद तक शांत कर देती है।आप इससे मसाज करने के लिए आप दो चम्मच कैस्टर ऑयल लें और उसमें एसेंशियल लैवेंडर ऑयल की कुछ बूंदे मिला लें। तैयार मिक्स ऑयल से पूरी बॉडी की मसाज लें। इससे चेहरे पर पिम्पल की समस्या भी दूर होती है।

कैमोमाइल ऑयल

महिलाओं में पीरियड के दौरान होने वाले दर्द से इस तेल को लगाने से राहत मिलती है।आप इस तेल को लगाकर आंखें बंद करके लेट जाएंगे, तो आपको आराम महसूस होगा। मार्केट में दो तरह का कैमोमाइल तेल मिलते हैं, जिसे बॉडी पर अप्लाई किया जा सकता है। यह है रोमन कैमोमाइल तेल और जर्मन कैमोमाइल तेल।दोनों ही फायदेमंद हैं।इसे बबूने का फूल भी कहा जाता है।

यूकेलिपटिस ऑयल

यूकेलिपटिस ऑयल भी दिमाग और शरीर की थकान, दर्द और ऐंठन में राहत दिलानेवाला होता है। यह शरीर की सूजन को कम करता है। इसमें एंटीबॉयोटिक्स प्रॉपटी होती है, जो आपके चेहरे के लिए लाभदायक होती है।

पिपरमेंट ऑयल

यह ऑयल थकान उतारने के साथ ही पेट दर्द, पेट में ऐंठन, महिलाओं में पीरियड्स पेन, सिर दर्द, कमर के निचले हिस्से में दर्द आदि से तुरंत राहत देता है। इस तेल को लगाने से आपको थोड़ी जलन हो सकती है इसलिए इस तेल को नारियल तेल के साथ मिक्स करके लगाना चाहिए।

रोजमेरी ऑयल

रोजमेरी ऑयल की भाप लेने से सिरदर्द में तुरंत आराम मिलता है। यह जोड़ों के दर्द में राहत देने का काम भी करता है। आप इस तेल को सोने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं यानी आप अपनी तकिया पर इसकी कुछ बूंदें छिड़ककर सो सकते हैं।

हाइट बढ़ाने में मदद करते हैं ये फूड्स, बढ़ते बच्चों की डाइट में जरुर करें शामिल

हम सभी जानते हैं कि हाइट बढ़ने एक निश्चित उम्र तक बढ़ती है। वहीं, आनुवांशिक कारणों के साथ कई ऐसी बातें हैं जिससे किसी व्यक्ति की लंबाई कितनी बढ़ेगी, इसका पता चलता है। कई पहलुओं के साथ डाइट भी एक खास वजह है जिससे किसी बच्चे की लंबाई प्रभावित होती है। आज हम आपको ऐसी चीजें बता रहे जिन्हें खाने से लंबाई बढ़ती है।

बैरीज

ब्लूबैरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी या रास्पबैरी भी कई प्रकार के न्यूट्रिशन से लैस होती हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी कोशिकाओं को बेहतर करता है और टिशू रिपेयर करने का काम करता है। विटामिन-सी कॉलेजन के सिंथेसिस को भी बढ़ाता है, एक ऐसा प्रोटीन जिसकी मात्रा आपके शरीर में सबसे ज्यादा होती है।

पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल, अरुगुला, बंदगोभी जैसी पत्तेदार सब्जियों में भी कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन सब्जियों में विटामिन-सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटैशियम के अलावा विटामिन-के भी पाया जाता है जो हड्डियों के घनत्व को बढ़ाकर लंबाई बढ़ाने का काम करता है।

अंडा

अंडा न्यूट्रिशन का पावरहाउस है। इसमें प्रोटीन की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसमें हड्डियों की सेहत के लिए जरूरी कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। 874 बच्चों पर हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि नियमित रूप से अंडा खाने वाले बच्चों की हाइट बढ़ती है। अंडे के पीले भाग (यॉक) में मौजूद हेल्दी फैट भी शरीर को फायदा दे सकता है।

बादाम

बादाम में मौजूद कई प्रकार के विटामिन और मिनरल भी लंबाई के लिए बेहद जरूरी हैं। इसमें हेल्दी फैट के अलावा, फाइबर, मैग्नीज और मैग्नीशियम भी पाया जाता है। इसके अलावा, इसमें विटामिन-ई भी होता है, जो एंटीऑक्सिडेंट के रूप में दोगुना हो जाता है। एक स्टडी के मुताबिक, बादाम हमारी हड्डियों के लिए भी फायदेमंद चीज है।

साल्मन फिश

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर साल्मन फिश भी सेहत के लिए बड़ी फायदेमंद है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह की शुरुआत यात्रा से हो सकती है। पारिवारिक या व्यावसायिक कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इस सप्ताह आप जैसा चाहेंगे वैसा होने में संदेह है। दूसरों के अनुसार चलना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अचानक पैसों की आवश्यकता पड़ सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ : आर्थिक सामाजिक दृष्टि से सप्ताह महत्वपूर्ण है। बड़े फैसले लेने का समय है। संकटों से निजात पाने के लिए किसी की मदद जरूर लें। कार्य-व्यवसाय को रफ्तार देने के प्रयास करें। पारिवारिक सहयोग प्राप्त रहेगा, लेकिन आपको तेजी से निर्णय लेना पड़ेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। चिंता और तनाव परेशान करेगा।

मिथुन : मान-सम्मान, प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अटके हुए कार्यों को गति मिलेगी। नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी और उसे पूरा करने में सफल भी होंगे। महिलाओं के लिए सप्ताह महत्वपूर्ण है। नौकरीपेशा को बड़े पद ऑफर होंगे। व्यावसायिक गतिविधियां तेज होंगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाने का मन बनेगा।

कर्क : पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उन्नतिदायक है। संपत्ति के अटके हुए काम हो जाएंगे। कार्य में परिवर्तन, स्थान में बदलाव होने की संभावना है। व्यापार में तेजी-मंदी का दौर थमेगा और आप एक स्थायित्व की ओर बढ़ेंगे। मानसिक शांति प्राप्त होगी। संतान पक्ष की चिंता दूर होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रोगों से मुक्ति मिलेगी।

सिंह : पराक्रम, प्रतिष्ठा और संपन्नता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को बदलाव का सामना करना पड़ेगा लेकिन यह बदलाव शुभ दिशा में होगा। युवाओं को बड़े जॉब ऑफर हो सकते हैं। नया वाहन खरीदने के योग हैं। पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी। शेयर मार्केट, कमोडिटी बाजार में लाभ के संकेत हैं। भाई-बहनों के साथ किसी बात पर मतभेद होने के संकेत हैं।

कन्या : स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। कमर दर्द, जोड़ों के दर्द की समस्या बनी रहेगी। मानसिक रूप से जरूर आप स्वस्थ और शांत रहेंगे। किसी बात पर परिजनों से मतभेद हो सकते हैं लेकिन उन्हें आपसी बातचीत से सुलझा लेंगे। नौकरीपेशा को उन्नति मिलने के संकेत हैं। कारोबारियों को कार्य विस्तार की दिशा मिलेगी।

तुला : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शुभ है। परिवार के साथ पर्यटन का अवसर आएगा। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। संपन्नता प्राप्त होगी। नई प्रॉपर्टी खरीदने के योग हैं। अपने पुराने मकान का रिनोवेशन करने का काम शुरू होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खर्च में कमी आएगी और बचत बढ़ेगी।

वृश्चिक : ध्यान रखें, क्रोध न करें। किसी बात पर क्रोध आए तो उसे नियंत्रित करें अन्यथा बने बनाए काम बिगड़ सकते हैं। संपत्ति को लेकर विवाद उभरेगा लेकिन आपको धैर्य रखना होगा। पैसों की कमी महसूस हो सकती है और इसके कारण कुछ काम अटक भी सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में ठहराव महसूस होगा।

धनु : आपके संयम, धैर्य और साहस की परीक्षा हो सकती है लेकिन आत्मविश्वास के दम पर आप हर परिस्थिति में विजेता की तरह उभरेंगे। सप्ताह भागदौड़ भरा जरूर रहेगा काम सही दिशा में होने के कारण आपमें एक अदम्य ऊर्जा का प्रवाह होगा। जीवन में आगे बढ़ना है तो ना कहने की आदत भी डालनी होगी।

मकर : सप्ताह में कार्यों को गति मिलेगी। अब तक जो कार्य आप करने से पीछे हट जाते थे या घबराकर छोड़ देते थे उन्हें पूरा करने की दिशा में बढ़ेंगे। किसी बात पर क्रोध आए तो किसी अच्छी बात के बारे में सोचें इससे मन बदलेगा। जीवनसाथी के साथ किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कर उसका समाधान निकालेंगे।

कुंभ : सप्ताह मनोरंजन और पर्यटन में गुजरेगा। सप्ताह की शुरुआत में परिवार, जीवनसाथी या प्रेमी-प्रेमिका के साथ कहीं घूमने जाएंगे। घर-परिवार में आनंदोत्सव होगा। नाते-रिश्तेदारों से मिलना होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नए कार्य, व्यवसाय, नौकरी प्राप्त होगी। सामाजिक दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण पद मिल सकता है।

मीन : सप्ताह में आपको अपनी सेहत और फिटनेस पर ध्यान देना होगा। ऊर्जावान बने रहने के लिए खानपान पर ध्यान दें। अच्छा साहित्य पढ़े, अच्छे लोगों की संगत करें। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। प्रेमी-प्रेमिका के साथ पर्यटन का अवसर आएगा। मानसिक शांति प्राप्ति होगी। बड़े काम संपन्न हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा।

तबीयत खराब थी, ना कोई दवा काम आई,
ना कोई ताबीज काम आया...!
फोन कर के साली से बात की,
तब जाकर थोड़ा आराम आया...

पत्नी मायके से वापस आई तो
पति दरवाजा खोलते हुए हंसने लगा...
पत्नी - ऐसे क्यों हंस रहे हो...?
पति - बाबा ने कहा था कि जब भी मुसीबत सामने आए उसका सामना हंसते हुए करो...!

नई दुल्हन ससुराल आई
सास - बहू, तुम्हें जो भी बनाना आता है जाकर बना लो
बहू- ठीक है मम्मी जी
सास- मुझे भी खिलाना देना...
थोड़ी देर में किचन से आवाज़ आई मम्मी जी, आपका भी सोडे के साथ बना दूं?

वेस्ट यूपी में आंसुओं ने बदली कई बार बाजी, जानिए कब-कब क्या हुआ

आंसुओं में बहुत ताकत होती है। ये बड़े परिवर्तन कर देते हैं। माहौल बदल देते हैं। बाजी पलट देते हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोग सब कुछ सहन कर सकते हैं लेकिन आंसू नहीं। किसी को रोता देख वे भावनात्मक रूप से उससे जुड़ जाते हैं। वेस्ट यूपी की सियासत के लिए तो आंसू आक्सीजन हैं। शुक्रवार को मुजफ्फरनगर पंचायत में भी आंसू ही राजनीतिक आक्रोश बने। एक तरफ राकेश टिकैत के आंसू थे तो दूसरी ओर मुजफ्फरनगर दंगे के दंश और आंसू। जो हुआ सो हुआ, अब साथ आ जाओ के संदेशके साथ पंचायत समाप्त हुई। पंचायत में अजित सिंह को हराने का गम भी था तो बिरादरी को फिर से जोड़ने का जज्बा भी, यह सब आंसुओं की ताकत थी। आइये बताते हैं, आंसुओं ने कब-कब गाजीपुर की तरह बाजी पलटी। बागपत जिले का विधानसभा क्षेत्र है-छपरौली। 1985 में चौधरी चरण सिंह ने अपनी बेटी सरोज वर्मा को टिकट दिया। उनके ही लोगों ने यह कहकर विरोध किया कि वंश परंपरा आगे बढ़ाई जा रही है। चुनाव संकट में था। कभी प्रचार के लिए नहीं आने वाले चौधरी साहब बेटी के लिए आए। और थाने के सामने भावुक होकर बैठ गए। सारे चौधरी इकट्ठा हो गए....हमारा चौधरी तो रोन लग रहा...। फिर क्या था, सोमपाल शास्त्री मामूली अंतर से चुनाव हार गए। यह अलग बात है कि सरोज वर्मा को अभी तक के सबसे कम वोट (33932) मिले।

1971 में चौधरी साहब पहली बार लोकसभा का चुनाव मुजफ्फरनगर से लड़े। लेकिन सीपीआई के विजयपाल से पचास हजार वोटों से हार गए। चौधरी साहब आहत थे। उनके समर्थक भी खूब रोए कि यह क्या हो गया। इसके बाद चौधरी चरण सिंह ने कभी मुजफ्फरनगर से चुनाव नहीं लड़ा। लेकिन बागपत में चौधरी चरण सिंह के समर्थकों ने उनका एकछत्र राज कायम करा दिया। बागपत में चौधरी चरण सिंह के बाद अजित सिंह मैदान में आए। 1998 में वह भाजपा के सोमपाल शास्त्री से 44 हजार मतों से हार गए। इस अप्रत्याशित हार पर लोग फफक-फफक कर रोए। बागपत में चूल्हे तक नहीं जले। अगले ही साल इन आंसुओं का हक अदा किया गया। सोमपाल शास्त्री दोगुने अंतर से अजित सिंह से हार गए।

भारतीय किसान यूनियन के नेता महेंद्र सिंह टिकैत के सामने तीन मौके आए जब वह भावुक हुए। बोट क्लब दिल्ली (25 अक्तूबर 1988) पर 14 राज्यों के पांच लाख किसानों के बीच वह मुस्तैदी से डटे रहे। लेकिन जब आंसू गैस और लाठीचार्ज हुआ तो टिकैत रोने लगे....मैं अपने किसानों के साथ यह नहीं होने दूंगा। इससे पहले मेरठ कमिश्नरी (27 जनवरी 1988) के घेराव पर भी टिकैत उस वक्त रोये थे जब फोर्स ने कमिश्नरी को घेर लिया था। रजबपुर आंदोलन (मार्च 1988) में जेल भरो आंदोलन के समय भी टिकैत आहत और भावुक हो गए थे। चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के ज्येष्ठ पुत्र हैं राकेश टिकैत। बहुत कुछ चीजें उनको अपने पिता से विरासत में मिली हैं।

मुरादाबाद सड़क हादसे में मौतों पर सीएम योगी ने जताया गहरा दुःख, मुआवजे का ऐलान

मुरादाबाद-आगरा हाइवे पर हुई भीषण सड़क दुर्घटना में दस लोगों की मौत और 12 से अधिक लोगों के घायल होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुःख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिवारीजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए मुआवजे का ऐलान भी किया है। इसके साथ ही घायलों के समुचित उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देशित भी किया है।

सीएम योगी ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को हादसे में घायल लोगों का समुचित उपचार कराने के निर्देश देते हुए उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने दुर्घटना में घायलों को 50-50 हजार और मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि शनिवार की सुबह मुरादाबाद-आगरा हाइवे पर ट्रक और टैंकर से एक बस के टकरा जाने से 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि 12 से अधिक लोग घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ओवरटेकिंग के चक्कर में यह दुर्घटना हुई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे राहत दल ने बचाव कार्य शुरू कर दिया था।

मुरादाबाद के एसएसपी ने बताया कि फोरेंसिक टीम ने भी दुर्घटनास्थल पर आकर जांच-पड़ताल की है। उन्होंने बताया कि मौके पर राहत कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

झांसी से किडनैप डॉक्टर मुरैना के हिंगोना गांव में मिले, मार्निंग वॉक से हो गए थे लापता

झांसी से रहस्यमय ढंग से लापता हुए डॉ. आरके गुरबक्सानी शनिवार सुबह मुरैना सिविल लाइन थाना क्षेत्र के गांव हिंगोना में मिले। डॉक्टर के पैर लोहे की जंजीर से बंधी थी। डॉक्टर का अपहरण फिरौती के लिये किया गया था। मुरैना पुलिस की सूचना पर डॉक्टर के परिजनों के साथ झांसी पुलिस मुरैना रवाना हो गई। एसएसपी दिनेश कुमार पी ने बताया कि डॉक्टर शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, इसके बाद से उनका पता नहीं चला। पुलिस लगातार परिवार के सम्पर्क में रहकर डॉक्टर की खोजबीन कर रही थी। उन्होंने बताया कि अपहरणकर्ताओं का फिरौती सम्बंधी कोई फोन नहीं आया था। डॉक्टर को झांसी लाने के बाद पूरी घटना की जानकारी हो सकेगी।

सीपरी बाजार की संगम बिहार कालोनी निवासी 62 वर्षीय डॉ आरके गुरबक्शानी रोज के भांति शुक्रवार सुबह करीब साढ़े चार बजे मॉर्निंग वॉक के लिये घर से निकले थे। दोपहर तीन बजे तक घर वापस न आने पर परिजनों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस डॉक्टर की तलाश में सुरागरशी कर रही थी, लेकिन उनका कहीं कोई पता नहीं चला। शनिवार सुबह मध्य प्रदेश के मुरैना सिविल लाइन थाना पुलिस ने झांसी पुलिस को बताया कि डॉ आरके गुरबक्शानी गांव हिंगोना के पास मिले। उनके पैर लोहे की जंजीर से जकड़े थे। वह कोहनी के बल पर करीब आधा घण्टे तक घिसटते हुए जंगल से गांव हिंगोना पहुंचे थे।

डॉक्टर ने मुरैना पुलिस को बताया कि कुछ हथियारबंद बदमाशों ने उनको चार पहिया वाहन में अपहरण किया था। बदमाश एक मरीज के परिजन बनकर इलाज के लिए डॉक्टर को ले जाने के बहाने आए थे। वह ददुआ के नाती के इलाज की भी बात कर रहे थे। डॉक्टर के अपहरण का अलर्ट घोषित के बाद बदमाश उन्हे जंगल के रास्ते लेकर जा रहे थे। जंगल में उनके पैर लोहे की जंजीर से बांधने के बाद सभी आराम करने लगे, तभी वह मौका पाकर हाथ की कोहनी के बल पर घिसटते हुये करीब आधा किलोमीटर दूर पहुंचे। इससे बाद किसी तरह जंगल से बाहर निकले। जंगल से बाहर निकले तो एक खेत के किनारे थे। यहां गांव के लोगों की उन पर नजर पड़ गई।

डॉक्टर ने पूछा कि वह कहां पर हैं अभी तो गांव के लोगों ने बताया कि यह मध्य प्रदेश का मुरैना जिला है और इस समय वह हिंगोना गांव की जमीन पर हैं। इसके बाद गांव के लोगों ने डायल 100 को सूचना दी। डायल 100 मौके पर पहुंची और डॉक्टर को सिविल लाइंस थाना पहुंचाया। डॉक्टर ने बताया कि अपहरणकर्ताओं की संख्या तीन थी और वह फिरौती मांगने की बात कह रहे थे।

एसएसपी दिनेश कुमार पी ने बताया कि डॉक्टर के लातपा होने का मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही थी। चित्रकूट के डाकू ददुआ के नाती के इलाज पर एसएसपी ने कहा कि ऐसी कोई जानकारी अभी नहीं मिली है। न ही बदमाशों ने फिरौती के लिये कोई कॉल की है। क्योंकि पुलिस लगातार परिजनों के सम्पर्क में थी। डॉक्टर के झांसी आने पर स्थिती स्पष्ट हो सकेगी।

यूपी पंचायत चुनाव 2021: आरक्षण लिस्ट आने से पहले भाजपा ने जारी की 98 जिला प्रभारियों की सूची

ऐसा कहा जाता है कि भाजपा हर चुनाव पूरी गंभीरता और ताकत से लड़ती है। यूपी पंचायत चुनाव-2021 के लिए एक तरफ अभी तक जहां विभिन्न राजनीतिक दल और भावी उम्मीदवारों को आरक्षण सूची का इंतजार है वहीं भाजपा ने जीत की पूरी रणनीति बना ली है। इसी क्रम में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने प्रदेश में पार्टी के 98 संगठनात्मक जिलों के प्रभारी घोषित कर दिए हैं। इसके साथ ही इन प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में जुट जाने को कह दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जारी लिस्ट के मुताबिक नोएडा से विधायक पंकज सिंह को मेरठ महानगर और जिले का प्रभारी बनाया गया है। विजय पाल सिंह तोमर को बिजनौर का जिला प्रभारी तो राज्यसभा सांसद कांता कर्दम को सहारनपुर महानगर और सुरेंद्र नागर को मुरादाबाद का जिला प्रभारी बनाया गया है। गोरखपुर क्षेत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष नीलम सोनकर को गोरखपुर महानगर और जिला का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह समीर सिंह को संतकबीर नगर, त्रयंबक त्रिपाठी को देवरिया, संतराज यादव को कुशीनगर, विनोद राय को बलिया और कामेश्वर सिंह को मऊ का प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह फिरोजाबाद महानगर और जिले के प्रभारी होंगे। राज्यसभा सांसद बीएल वर्मा को आगरा महानगर का प्रभारी बनाया गया है। एमएलसी श्रीचंद शर्मा को अलीगढ़ जिला और किसान मोर्चा अध्यक्ष राजा वर्मा को हाथरस का जिला प्रभारी बनाया गया है। कानपुर क्षेत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष और एमएलसी विजय बहादुर पाठक को कानपुर महानगर उत्तर व दक्षिण का जिला प्रभारी बनाया गया है। रंजना उपाध्याय को कानपुर देहात, रामनरेश तिवारी को कानपुर ग्रामीण का प्रभारी बनाया गया है। बाबूराम निषाद को फर्रुखाबाद, कमलावती सिंह को झांसी महानगर और जिले का प्रभारी बनाया गया है। हरिद्वार दुबे को सीतापुर, विद्यासागर सोनकर को रायबरेली, दद्दन मिश्रा को अंबेडकरनगर, अवनीश संह को गोंडा और सुधीर हलवासिया को बलरामपुर जिले का प्रभारी बनाया गया है। अवध क्षेत्र में प्रदेश महामंत्री और एमएलसी गोविंद नारायण शुक्ला को लखनऊ महानगर और जिले का प्रभारी बनाया गया है। काशी क्षेत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष सलिल विश्नोई को वाराणसी महानगर और जिले का प्रभारी बनाया गया है। कौशलेंद्र सिंह पटेल को गाजीपुर, लक्ष्मण आचार्य को प्रयागराज महानगर और जिला, रमेश मिश्रा को भदोही, नागेंद्र रघुवंशी को प्रतापगढ़ और काशीनाथ तिवारी को मछलीशहर का प्रभारी बनाया गया है।

मुरादाबाद-आगरा हाइवे पर बड़ा हादसा: ट्रक और टैंकर से टकराई बस, 10 की मौत, 12 घायल

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद-आगरा हाइवे पर बड़ा हादसा हुआ है। एक मिनी बस, ट्रक और कैंटर से टकरा गई। इस दुर्घटना में दस लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि करीब 12 लोग घायल बताए जा रहे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिवारीजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए आर्थिक सहायता का ऐलान किया है। घायलों को मुरादाबाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार भोर में यह दुर्घटना हुई। यह निजी बस बिलारी से मुरादाबाद आ रही थी। नानपुर के पास यह एक ट्रक और कैंटर से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह हादसा ओवरटेकिंग के चक्कर में हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मौके पर डीएम और एसएसपी ने पहुंचकर राहत कार्य का खुद जायजा लिया। एसएसपी ने बताया कि मौके पर फोरेंसिक टीम भी बुला ली गई है। उन्होंने बताया कि हादसा ओवरटेकिंग के चक्कर में हुआ। तीन वाहन आपस में बुरी तरह टकरा गए। उन्होंने बताया कि मौके पर राहत कार्य लगभग पूरा हो चुका है। दुर्घटना में 10 लोगों की दुःखद मौत हुई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को हादसे में घायल लोगों का समुचित उपचार कराने के निर्देश देते हुए उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

उन्होंने दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है।

हाईवे के बीच में आ रहा था मंदिर, जानिए कैसे हुई शिफ्टिंग

अलीगढ़ में चल रहे बोनेर हाईवे के निर्माण के बीच में आए एक मंदिर को प्रशासन ने ग्रामीणों की सहमति से दूसरे स्थान पर स्थापित करा दिया। डीजे व ढोल नगाड़ों की थाप पर ग्रामीणों ने पुराने मंदिर की मूर्ति नई जगह पर प्रतिष्ठित कराई।

गांधी पार्क थाना क्षेत्र के बोनेर से होकर गुजर रहे अलीगढ़-कानपुर हाईवे के बीच में एक मंदिर आ रहा था। यहां अंडर पास प्रस्तावित था। बिना मंदिर हटाए अंडर पास व सड़क का स्ट्रक्चर नहीं बन पा रहा था। बोनेरे के जसरथपुर गांव से सटे इस स्थान पर मंदिर हटाने का ग्रामीण विरोध कर रहे थे। नौ माह से मामला लंबित होने के बाद प्रशासन व एनएचआई ने ग्रामीणों से बातचीत की और उनके कहने पर मंदिर को दूसरे स्थान पर शिफ्ट कराया।

शुक्रवार को एसडीएम कोल अनीता यादव के नेतृत्व में पुलिस प्रशासनिक अधिकारी व एनएचआई से जुड़े अधिकारी पहुंचे। वहां पर ग्रामीणों को भी बुलाया गया था। प्रशासन ने नए मंदिर के लिए बाउंड्री, स्ट्रक्चर समेत अन्य चीजों का निर्माण कराया था। वहां पर पहले हवन पूजन किया गया और फिर मूर्ति को नए मंदिर में प्रतिष्ठित कराया। ग्रामीण डीजे की धुनपुर थिरकते हुए मूर्ति को स्थापित किया। करीब दो से तीन घंटे तक कार्यक्रम चला और ग्रामीणों ने जमकर जश्न मनाया।

अब निर्माण कार्य में आएगी तेजी

मंदिर के स्थानांतरित होने से के बाद अब निर्माण कार्य में तेजी आएगी। अंडर पास का स्ट्रक्चर बनाया जाएगा और वहां पर सड़क का निर्माण हो सकेगा। एनएचआई प्रोजेक्ट मैनेजर पीपी सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की सहमति से मंदिर स्थानांतरित हो गया। वहां पर पुजारी के लिए कमरा, शौचालय का भी निर्माण कराया जाएगा। अनीता यादव, एसडीएम कोल बताती हैं कि बोनेर के पास हाइवे पर एक मंदिर था, जिसको ग्रामीणों की सहमति से स्थानांतरित किया गया। ग्रामीण इसमें शामिल हुए और शांति पूर्वक तरीके कार्यक्रम संपन्न हुआ। हवन यज्ञ के बाद ग्रामीणों की उपस्थिति में मूर्ति को स्थापित किया गया। वहां कुछ निर्माण और भी कराया जाएगा।

ड्राइवर की हत्या के बाद लूटी गई थी कार, जांच में लापरवाही बरतने के आरोप में पांच पुलिसकर्मी निलंबित

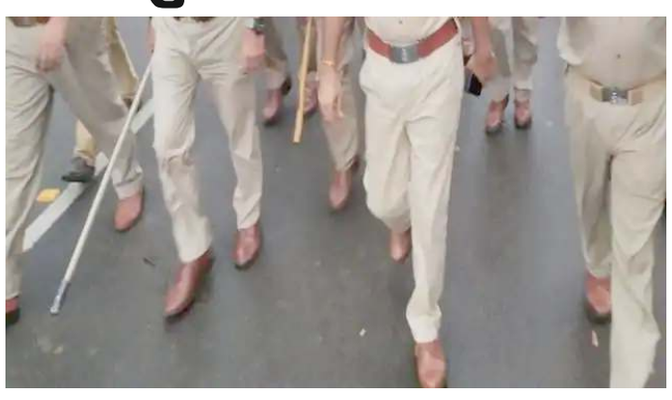

उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक कार चालक की हत्या कर कार लूटने के मामले की जांच में लापरवाही बरतने के आरोप में पुलिस अधीक्षक ने एक निरीक्षक और चार उपनिरीक्षकों को निलंबित कर दिया। बांदा जिले के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) महेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने शनिवार को बताया कि 26 फरवरी 2019 को प्रयागराज के योगेंद्र उर्फ मदन यादव की हत्या करने के बाद कार लूट ली गई थी।

उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच में प्रथमदृष्टया लापरवाही उजागर होने पर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा ने बबेरू के तत्कालीन निरीक्षक शशि कुमार पांडेय, सिमौनी पुलिस चौकी में तैनात रहे चार उपनिरीक्षकों रमाकांत, राजेश यादव, अभिषेक सिंह और अमित कुमार को निलंबित कर दिया है। उन्होंने बताया कि निरीक्षक शशि कुमार पांडेय इस समय महोबा जिले और अमित कुमार प्रयागराज जिले के करछना थाने में जबकि तीन उपनिरीक्षक बांदा जिले में ही कार्यरत थे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 26 फरवरी 2019 को प्रयागराज जिले के मनगढ़ बहरिया थाने के बकसेड़ा गांव का योगेंद्र उर्फ मदन यादव कार लेकर महोबा से प्रयागराज जा रहा था, तभी उसने बांदा शहर के क्योटरा मोहल्ले में विपिन तिवारी और संजय दुबे से प्रयागराज जाने का रास्ता पूछा, जिसके बाद दोनों (विपिन, संजय) ने उसे रास्ता बताया और दोनों कार में सवार हो गए।

एएसपी के अनुसार, विपिन और संजय ने रास्ते में अपने एक अन्य साथी शीलू उर्फ शैलेन्द्र को भी ले लिया था और बाद में तिंदवारी थाना क्षेत्र के बेंदा घाट में यमुना पुल पर कार चालक की गला घोट और कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी थी और शव यमुना पुल से नीचे फेंकने के बाद कार लेकर फरार हो गए थे।

चौहान ने बताया कि मौजूदा जांच अधिकारी सिमौनी पुलिस चौकी के प्रभारी राधामोहन द्विवेदी ने मामले की जांच की और विपिन, संजय और शीलू उर्फ शैलेन्द्र को गिरफ्तार किया गया।

बरेली में शिक्षकों को बड़ा झटका, 18 पुरुष और 16 महिला शिक्षकों की सेवाएं समाप्त, जानिए इसकी वजह

यूपी के बरेली में विषयों पर आधारित बदले नियमों के चलते कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के 34 शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इनमें 18 पुरुष शिक्षक और 16 महिला टीचर शामिल हैं। वर्षों से नौकरी कर रहे शिक्षकों को इससे बड़ा झटका लगा है। शिक्षकों ने कोर्ट की शरण में जाने का फैसला किया है। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शिक्षकों की तैनाती के विषय में जुलाई 2020 में नई गाइडलाइन जारी हुई थी। इस गाइडलाइन के अनुसार कोर सब्जेक्ट हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में पूर्णकालिक शिक्षक के रूप में सिर्फ महिलाओं को रखने का प्रावधान है। जबकि सहगामी विषयों कला, संगीत, खेल, क्राफ्ट आदि के लिए अंशकालिक शिक्षक-शिक्षिकाओं को तैनात करना है। इसको पूर्व की नियुक्ति पर भी लागू कर दिया गया। बदले नियमों के फेर में जिले के 18 कस्तूरबा स्कूलों में तैनात 34 शिक्षक-शिक्षिकाएं फंस गए। डीएम की सहमति के बाद इनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई।

नियमों के चक्कर में तीन वार्डन भी आ गई हैं। यह तीनों वर्ष 2008 में पूर्णकालिक शिक्षिका के रूप में तैनात की गई थी। इनके विषय कॉमर्स को मान्य नहीं किया गया। इस कारण सेवा समाप्त कर दी गई। तीन अन्य पूर्णकालिक टीचर के साथ ही एक उर्दू शिक्षिका की भी सेवा खत्म की गई है। शेष 27 अंशकालिक शिक्षकों को भी नौकरी से मुक्त कर दिया गया है। बदले नियमों के अनुसार जब समीक्षा हुई तो सहगामी विषयों की जगह कोर सब्जेक्ट या अन्य विषय के शिक्षक तैनात मिले। महिला के पद पर पुरुष कार्य करते हुए पाए गए।

एक ही विषय के एक से ज्यादा शिक्षक भी हो गए। शिक्षकों को कहना है, पहले जब भर्ती की गई थी तब पदों और विषयों का आंकलन इस तरह से नहीं किया गया था। नए नियम को नए शिक्षकों पर लागू करना चाहिए। हम लोग इसके विरोध में कोर्ट जाएंगे।

बीएसए विनय कुमार ने बताया कि राज्य परियोजना कार्यालय से प्राप्त निर्देश के क्रम में कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के शिक्षकों की समीक्षा कराई गई थी। इसमें 34 शिक्षक-शिक्षिका नई गाइडलाइन के अनुसार नियम विरुद्ध पाए गए। उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं।

SPORTS खेल जगत

IPL 2021 के ऑक्शन में कौन होंगे 5 सबसे महंगे खिलाड़ी, जानें आकाश चोपड़ा का जवाब

भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की वजह से पिछली साल इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) का आयोजन यूएई में किया गया था, लेकिन इस साल बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत में ही हो। भारत ने अभी सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन करवाकर यह साबित कर दिया है कि वो भी कोरोना काल में बड़े टूर्नामेंट का आयोजन करवा सकता है। आईपीएल 2021 के शुरू होने से पहले अगले महीने इसकी नीलामी होने वाली है। इसका आयोजन 18 फरवरी को चेन्नई में होगा। नीलामी से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने उन पांच खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जिन्हें उनकी नजर में इस साल सबसे ज्यादा पैसे मिल सकते हैं। उन्होंने सबसे पहला नाम ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का लिया। आकाश के मुताबिक, स्टार्क को इस साल आईपीएल ऑक्शन में 15-19 करोड़ में आईपीएल टीमें खरीद सकती हैं। उन्होंने अपने दूसरे नाम पर ऑस्ट्रेलिया के ही ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर दांव लगाया। उन्होंने कहा कि बेशक वो पिछले साल टूर्नामेंट में बल्ले से कोई खास कमाल नहीं दिखा सके हों, लेकिन उनकी वर्तमान फॉर्म को देखते हुए आईपीएल फ्रैंचाइजियां उनपर अच्छा दांव लगा सकती हैं।

आकाश ने आईपीएल ऑक्शन में तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में इंग्लैंड के डेविड मलान का नाम लिया। मलान के नाम टी-20 क्रिकेट में कुछ शतक भी दर्ज हैं। आकाश ने चौथे और पांचवें खिलाड़ी के रूप में क्रमश: अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन का नाम लिया। मुजीब अपनी नेशनल टीम के अलावा दुनियाभर की टी-20 लीग में खेलते रहते हैं, वहीं शाकिब की बात की जाए तो उन्होंने एक साल के बैन के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा है। इस दौरान उनकी वापसी शानदार रही और उन्होंने टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई।

87 साल में पहली बार नहीं होगा रणजी ट्रॉफी का आयोजन, BCCI ने लगाई मुहर

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड(बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट पर बड़ा फैसला लेते अभी जारी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के बाद विजय हजारे ट्रॉफी आयोजित करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही यह तय हो गया है कि 87 साल में पहली बार फर्स्ट क्लास घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी का आयोजन नहीं हो सकेगा। 50 ओवर की विजय हजारे ट्रॉफी और भारत-इंग्लैंड के बीच होने वाली सीरीज के आयोजन के साथ ही अब बीसीसीआई महिला सीनियर वनडे ट्रॉफी और अंडर-19 क्रिकेट में वीनू मांकड़ वनडे ट्रॉफी का आयोजन भी कराएगा। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने राज्य संघों को भेजे अपने पत्र में लिखा है कि यह फैसला राज्य संघों से मिले फीडबैक और कोरोना वायरस की वजह से लिया गया है।

रिपोर्ट में दावा, कंगारू क्रिकेटरों को रास नहीं आ रही हेड कोच जस्टिन लैंगर की कोचिंग

ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच जस्टिन लैंगर की कोचिंग शैली खिलाड़ियों को रास नहीं आ रही और भारत के हाथों टेस्ट सीरीज में हार के बाद तो असंतोष के स्वर फूटने लगे हैं, जबकि कोच ने कहा कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। हाल ही में खत्म हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने प्रमुख खिलाड़ियों के बिना भी भारत ने ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट सीरीज में 2-1 से हराया। 'सिडनी मार्निंग हेराल्ड' की रिपोर्ट के अनुसार कुछ खिलाड़ी लैंगर की मैनेजमेंट शैली से खुश नहीं हैं, क्योंकि वह छोटी-छोटी चीजों पर बेवजह दबाव बनाते हैं और उनका मूड बार-बार बदलता रहता है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि लैंगर तीनों फॉर्मेट में कोचिंग की जिम्मेदारी संभाल नहीं पा रहे। रिपोर्ट में कहा गया कि ड्रेसिंग रूम के सूत्रों ने कहा कि इतने महीनों से बायो-बबल में रह रहे खिलाड़ियों को लैंगर की कोचिंग शैली पसंद नहीं आ रही। वे छोटी-छोटी चीजें पकड़ने के उनके स्वभाव और मूड में पल-पल बदलाव से तंग आ चुके हैं। इसमें कहा गया कि

कुछ खिलाड़ियों का कहना है कि लैंगर जरूरत से ज्यादा मीनमेख निकालते हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट में लंच ब्रेक पर गेंदबाजों को आंकड़े और निर्देश थमा दिए कि कहां गेंदबाजी करनी है। लैंगर ने इन खबरों का खंडन किया कि उनके और खिलाड़ियों के रिश्तों में खटास आ चुकी है। उन्होंने कहा कि यह गलत है। कोचिंग कोई लोकप्रियता की प्रतिस्पर्धा नहीं है। खिलाड़ी अगर चाहते हैं कि कोई हर समय उन्हें हंसाता रहे तो यह संभव नहीं है। मैं तो गेंदबाजों से कभी आंकड़ों के बारे में बात भी नहीं करता। मैं गेंदबाजों की बैठकों में भी नहीं जाता। वह गेंदबाजी कोच का काम है। उन्होंने कहा कि मैं यह सब भी नहीं करता। इस तरह की बात भी गेंदबाजों से नहीं करता।

अब पिछले कुछ महीने के अनुभव से लगता है कि इस पर ध्यान देना चाहिए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा खिलाड़ियों को सहायक कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड बेहतर लगते हैं।

आकाश चोपड़ा ने बताया, कैमरन ग्रीन और मोइजेस हेनरिक्स हो सकते हैं कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए आंद्रे रसेल के अच्छे बैकअप

आईपीएल 2021 के लिए होने वाले ऑक्शन की तारीख का ऐलान कर दिया गया है। 18 फरवरी को सभी टीमें खिलाड़ियों पर बोली लगाती नजर आएंगी। सभी टीमें अपने रिलीज और रिटेन किए गए प्लेयरों की लिस्ट पहले ही बीसीसीआई को सौंप चुकी हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने अपने 10 खिलाड़ियों को रिलीज किया है, जबकि किंग्स इलेवन पंजाब ने अपने 9 खिलाड़ियों की टीम से छुट्टी कर दी है। कोलकाता नाइटराइडर्स ने आईपीएल 2021 के लिए टॉम बैंटन और क्रिस ग्रीन समेत 6 प्लेयरों को रिलीज किया है और अपने आंद्रे रसेल पिछले सीजन खराब प्रदर्शन करने के बावजूद रिटेन किया है। इसी बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने केकेआर को आंद्रे रसेल के बैकअप के तौर पर क्रिस ग्रीन और मोइजेस हेनरिक्स को टीम में शामिल करने की सलाह दी है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा, 'दिनेश कार्तिक और आंद्रे रसेल की फॉर्म केकेआर की सफलता के लिए बहुत जरूरी होगी। टीम के बढ़िया प्रदर्शन के लिए अहम है कि यह दोनों नंबर 5 और 6 पर सुपरहिट रहें। उनकी टीम एकदम परफेक्ट लग रही है, लेकिन वह भारतीय बल्लेबाज को टीम में शामिल जरूर करना चाहेंगी। उनके पास शुभमन गिल, त्रिपाठी और कार्तिक हैं, जो कि इतने बुरे नहीं हैं। उनके पास रिंकू सिंह बैकअप के तौर पर हैं जिनको टीम ज्यादा मैच में मौका नहीं देती है।'

पूर्व क्रिकेटर ने आंद्रे रसेल पर बात करते हुए कहा, 'उनकी टीम को आंद्रे रसेल के बैकअप की जरूरत है, एक ऐसा खिलाड़ी जो दोनों चीजें कर सके क्योंकि जब रसेल चोटिल हो जाते हैं तो पूरी पिक्चर ही बदल जाती है।

वह कैमरन ग्रीन या मोइजेस हेनरिक्स को रसेल के बैकअप के तौर पर टीम में शामिल कर सकते हैं, अगर वह पेस बॉलर ऑलराउंडर के लिए देख रहे हैं तो।'

रसेल का प्रदर्शन आईपीएल 2020 में कुछ खास नहीं रहा था और वह अपने चोटों से भी जूझते नजर आए थे।

देश परदेश

पॉक्सो कानून प्रेम में संबंध बनाने वाले लड़कों को सजा देने के लिए नहीं: मद्रास हाईकोर्ट

मद्रास उच्च न्यायालय ने एक अहम फैसले में कहा कि पॉक्सो कानून में किशोर उम्र के उन लड़कों को दंडित करने का प्रावधान नहीं है, जो एक नाबालिग लड़की से उसकी सहमति से संबंध बनाते हैं। शारीरिक बदलाव से गुजर रहे युगल के लिए अभिभावकों और समाज का समर्थन जरूरी है। न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने कहा कि पॉक्सो कानून बच्चों को यौन अपराध से बचाने के लिए लाया गया था, लेकिन बड़ी संख्या में उन किशोरों एवं नाबालिग बच्चे/बच्चियों के परिजन शिकायत दर्ज करा रहे हैं, जो प्रेम संबंधों में संलिप्त हैं। इसलिए विधायिका को सामाजिक जरूरतों में बदलाव के साथ तालमेल बैठाते हुए कानून में बदलाव लाना होगा। न्यायमूर्ति वेंकटेश ने एक ऑटो चालक के खिलाफ यौन अपराध से बच्चों/बच्चियों की रक्षा कानून (पॉक्सो) के तहत दर्ज आपराधिक मामला रद्द कर दिया। उस पर एक नाबालिग लड़की से विवाह करने के लिए यह मामला दर्ज किया गया था।

न्यायाधीश ने कहा, कानून में स्पष्ट है कि इसके दायरे में ऐसे मामले नहीं लाए जाने चाहिए, जो किशोरों या नाबालिगों के प्रेम संबंध से जुड़े हुए हों।

पॉक्सो कानून आज के मुताबिक निश्चित रूप से कड़ी प्रकृति के कारण लड़के के कार्य को आपराधिक बनाता है। उन्होंने कहा कि किसी नाबालिग लड़की के साथ संबंध रखने वाले किशोर लड़के को दंडित करना पॉक्सो कानून का उद्देश्य कभी नहीं रहा। हॉर्मोनल एवं शारीरिक बदलाव के दौर से गुजर रहे किशोर उम्र के लड़के-लड़कियां, जिनमें फैसले लेने की क्षमता अभी विकसित नहीं हुई है, उन्हें उनके अभिभावकों और समाज का समर्थन मिलना जरूरी है।

कांग्रेस के MLC पर लगे गंभीर आरोप- विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान देख रहे थे पोर्न क्लिप

कुछ कन्नड़ समाचार चैनलों ने कुछ फुटेज प्रसारित कर दावा किया कि कांग्रेस के विधान पार्षद प्रकाश राठौड़ शुक्रवार को विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान अपने मोबाइल फोन पर कथित रूप से अश्लील सामग्री देख रहे थे। राठौड़ ने इस आरोप को खारिज किया है। सदन की कार्यवाही के दौरान मोबाइल फोन में राठौड़ कोई वीडियो देखते दिखाई देते हैं जिसे समाचार चैनलों ने धुंधला कर प्रसारित किया। राठौड़ ने आरोप को खारिज करते हुए संवाददाताओं से कहा कि वह प्रश्नकाल के दौरान सरकार से प्रश्न पूछने के लिए अपने मोबाइल में सवाल से संबंधित सामग्री देख रहे थे और अपने फोन पर आई कुछ सामग्री डिलीट कर रहे थे क्योंकि स्पेस भर गया था। उन्होंने कहा,'...जब मैं सवाल से संबंधित सामग्री देख रहा था तो बहुत सारे संदेश थे जिन्हें स्पेस भरने की वजह से मैं डिलीट कर रहा था...आपने क्या देखा और क्या दिखाया, मुझे नहीं पता। मैं ऐसी चीजें कभी नहीं करूंगा।' इसी तरह की एक घटना में 2012 में तीन मंत्री विधानसभा की कार्यवाही के दौरान मोबाइल

इजरायली दूतावास के बाहर धमाके से क्या है इस अधजले लाल कपड़े का कनेक्शन?

दिल्ली में इजरायली दूतावास के बाहर शुक्रवार शाम हुए कम तीव्रता के बम धमाके की जांच में कई एजेंसियां जुटी हुई हैं। यह धमाका किसने और क्यों किया? इसका खुलासा होना बाकी है। लेकिन शुरुआती स्तर पर कुछ ऐसे संकेत जरूर मिल रहे हैं जो 2012 में इजरायली दूतावास की कार पर हुए हमले की तरह एक बार फिर ईरान की ओर इशारा कर रहे हैं। घटना स्थल पर मिले एक लेटर में इस छोटे धमाके को ट्रेलर बताया गया है। इस बीच दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया है कि मौके से एक अधजला लाल कपड़ा और पोलीथिन बैग भी मिला है। सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुटी हैं कि क्या इसका धमाके से कोई लिंक है? क्या यह उन लोगों से जुड़ा हुआ है जिन्होंने

विस्फोटक को दूतावास के बाहर रखा। फिलहाल पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्ध दिखे हैं, जिनकी जांच की जा रही है। दिल्ली के लुटियंस इलाके में औरंगजेब रोड पर स्थित इजराइली दूतावास के बाहर शुक्रवार की शाम मामूली आईईडी विस्फोट हुआ। हालांकि धमाके में कोई हताहत नहीं हुआ। तीनों कारों के शीशे जरूर फूटे। अति-सुरक्षित इलाके में यह धमाका उस समय हुआ जब यहां से महज 2 किलोमीटर दूर गणतंत्र दिवस समारोहों के सपमान के तौर पर होने वाला 'बीटिंग रीट्रिट' कार्यक्रम चल रहा था, जिसमें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वैंकेया नायडू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट स्थल पर जांचकर्ताओं को इजराइली दूतावास का पता लिखा एक लिफाफा और लेटर भी मिला है, जिसमें ईरान के एक सैन्य जनरल और परमाणु वैज्ञानिक की हत्या का जिक्र है। साथ ही यह भी कहा गया है कि यह विस्फोट केवल एक ट्रेलर है। फरवरी 2012 में दिल्ली में इजराइली दूतावास के एक राजनयिक की कार पर हमला हुआ था जब एक मोटरसाइकिल सवार ने ट्रैफिक सिग्नल पर कार में विस्फोटक लगा दिया था। कुछ ही सेकेंड बाद कार में धमाका हुआ और राजयनिक तथा तीन अन्य लोग घायल हो गए थे। इससे पहले, दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी अनिल मित्तल ने कहा, "बहुत ही कम क्षमता का आईईडी विस्फोट हुआ है... घटना में न तो कोई व्यक्ति हताहत हुआ है और नजदीक में खड़े तीन वाहनों के शीशों को छोड़कर किसी संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ।" सूत्रों ने कहा कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि दूतावास के बाहर एपीजे अब्दुल कलाम रोड के बीच में लगे एक गमले में बम लगाया गया था। एक अधिकारी ने कहा कि बम निरोधक दस्ते ने भी धटनास्थल पर तलाशी अभियान चलाया ताकि इलाके में और बम लगे होने के बारे में पता लगाया जा सके। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने भी विस्फोट स्थल का दौरा किया। सूत्रों ने कहा कि मौके से कुछ बॉल बेयरिंग भी मिले हैं जिनका उपयोग बम बनाने में किया गया था। सूत्रों ने कहा कि आसपास की घास और मिट्टी के नमूनों को जांच के लिए एकत्र किया गया है। कुछ धातुओं को भी एकत्र किया गया है।

दिल्ली में ब्लास्ट के बाद गृह मंत्री अमित शाह का पश्चिम बंगाल का दौरा रद्द

दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए आईईडी विस्फोट के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दो दिवसीय पश्चिम बंगाल का दौरा रद्द हो गया है। बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा, ''शाह आज या शनिवार को नहीं आ रहे हैं। उनकी यात्रा स्थगित कर दी गई है। अगली तारीखों के बारे में बाद में जानकारी दी जाएगी।''

बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि शुक्रवार शाम नई दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास एक विस्फोट होने के बाद यह फैसला लिया गया, जिसके बाद अधिकारियों ने नई दिल्ली में हाई अलर्ट जारी करते हुए सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। अमित शाह शुक्रवार देर रात 11 बजे बंगाल की राजधानी कोलकाता पहुंचने वाले थे। पश्चिम बंगाल में कुछ महीनों के बाद होने वाले चुनाव से पहले शाह का दौरा काफी अहम माना जा रहा था। कयास लगाए जा रहे

थे कि टीमएसी के कुछ नेता बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। पिछले महीने भी शाह ने पश्चिम बंगाल का दौरा किया था, जिसमें शुभेंदु अधिकारी समेत कई बड़े नेता बीजेपी में शामिल हो गए थे। गृह मंत्री अमित शाह को शनिवार और रविवार को पश्चिम बंगाल में दो रैलियों को संबोधित करना था। पश्चिम बंगाल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। शाह को सबसे पहले शनिवार को मायापुर में इस्कॉन मंदिर जाकर वहां पूजा अर्चना करने थी। इसके बाद, वे ठाकुरनगर क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते। वहीं, शाह शनिवार की शाम पार्टी के सोशल मीडिया टीम के कार्यकर्ताओं से भी बात करते। बता दें कि पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य की 42 में से 18 सीटें जीती थीं। इसके बाद से भाजपा वहां की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की सरकार को लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता से बेदखल करने के लिए पार्टी एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए है।

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली ने ट्रोल को दिया मुंहतोड़ जवाब, जानें- क्या है पूरा मामला

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली अकसर सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और अपने बारे में अकसर तमाम जानकारियां फॉलोअर्स से साझा करती रहती हैं। नव्या ने हाल ही में 'नवेली' के नाम से एक प्रोजेक्ट की शुरुआत की है।

इसे लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर काफी सराहना मिल रही है। वहीं कई बार उन्हें ट्रोल्स का भी सामना करना पड़ा है। ऐसे ही एक ट्रोल को नव्या नवेली ने करारा जवाब दिया है।

दरअसल नवेली प्रोजेक्ट के ऑफिशियल पेज से नव्या ने लिखा था, 'नवेली प्रोजेक्ट के जरिए हम भारत में जेंडर गैप को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके जरिए हम महिलाओं की संसाधनों और अवसरों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। यह आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए होगा।'

उनकी इस पोस्ट पर तमाम यूजर्स ने नव्या नवेली की सराहना की है, लेकिन कुछ यूजर्स ने उन्हें ट्रोल भी किया। ऐसे ही एक यूजर्स ने लिखा है, 'पहले तुम्हें ही नौकरी की जरूरत है। फिर तुम यह सब कुछ कर सकती हो।' इस पर नव्या ने यूजर को करारा जवाब देते हुए लिखा है, 'मेरे पास वास्तव में काम है।' इसके साथ ही उन्होंने अपने कॉमेंट में हार्ट इमोजी भी पोस्ट किया है। नव्या नवेली 'आरा हेल्थ' की सह-संस्थापक भी हैं।

यह एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मसले पर काम करता है।

पिछले दिनों इंस्टाग्राम लाइव के दौरान नव्या नवेली ने बताया था कि कैसे महिलाओं को इंडस्ट्री में कम आंका जाता है और लड़की होने के चलते उन्हें भी इसका खामियाजा उठाना पड़ रहा है। नव्या नवेली ने कहा था, 'जब आप लोगों से मिलने जाते हैं तो फिर आपको खुद को प्रूव करना पड़ता है। इसकी वजह यह है कि पूरी इंडस्ट्री ही पुरुष प्रधान है।'

यही नहीं नव्या नवेली ने कहा था कि वह जब अपने काम के सिलसिले में किसी वेंडर या फिर डॉक्टर से बात करती हैं तो ऐसा लगता है कि जैसे वह गंभीरता से नहीं ले रहा है और बात करके एक तरह से दया कर रहा है।

नव्या नवेली अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन और कारोबारी निखिल नंदा की बेटी हैं।

निखिल नंदा एस्कॉर्ट्स ग्रुप के सीईओ हैं। पिछले दिनों ही उन्हें भारत के बेस्ट सीईओ के खिताब से नवाजा गया था।

अमजद खान नहीं थे 'गब्बर' के लिए पहली पसंद, पढ़ें 'शोले' से जुड़े कुछ किस्से और डायलॉग्स

हिंदी सिनेमा का इतिहास 100 वर्षों से भी अधिक पुराना है। हिंदी सिनेमा ने अभी तक एक से एक कई बेहतरीन फिल्मों का निर्माण किया है। भारतीय सिनेमा की गूंज सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी गूंजती है। ऐसी कई फिल्में हैं, जो इतिहास में दर्ज हो गई हैं। ऐसे ही एक फिल्म है- शोले। 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई फिल्म शोले का निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया था। फिल्म की कहानी से लेकर उसके डायलॉग्स और गाने तक, आज भी सब सदाबहार है। ऐसे में आज हम आपको बताते हैं फिल्म से जुड़ी कुछ खास बातें।

शोले का नाम उन फिल्मों की लिस्ट में शुमार है, जो अपने हीरो के साथ ही साथ विलेन के लिए भी जानी जाती हैं। फिल्म शोले में गब्बर में सिंह का किरदार अमजद खान ने निभाया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फिल्म में गब्बर के किरदार के लिए अमजद पहली पसंद नहीं थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। बता दें कि गब्बर का रोल पहले डैनी को ऑफर हुआ था और 'स्क्रीन' मैगजीन के कवर पेज पर डैनी समेत 'शोले' के स्टारकास्ट की फोटो भी छप गई थी। लेकिन डैनी उस वक्त फिरोज खान की फिल्म 'धर्मात्मा' का शूट अफगानिस्तान में कर रहे थे, ऐसे में उन्हें शोले छोड़नी पड़ी।

डैनी के फिल्म से बाहर होने के बाद सलीम खान ने जावेद अख्तर को अमजद खान के बारे में याद दिलाया। दरअसल जावेद साहब ने अमजद खान को कुछ साल पहले दिल्ली में एक नाटक में देखा था और तब ही सलीम से उनकी वाहवाही भी की थी। ऐसे में गब्बर के दमदार किरदार के लिए अमजद खान का नाम तय हो गया। इसके बाद अमजद खान ने गब्बर के किरदार को किस तरह निभाया, यो तो हम सभी बखूबी जानते हैं।

शोले में गब्बर सिंह का किरदार निभाकर अमजद खान की मिली कामयाबी का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि उस वक्त उन्हें बिस्कुट बनाने वाली एक कंपनी ने अपने ब्रैंड एंबैसडर के तौर पर साइन किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बॉलीवुड के किसी विलेन का विज्ञापनों में आने का ये शायद पहला मौका था। बता दें कि 1973 में चेतन आनंद की 'हिंदुस्तान की कसम' से अमजद खान के फिल्मी करियर की शुरुआत हुई थी। 70 और 80 के दशक में एक ओर जहां अमिताभ बच्चन एंग्री यंगमैन की छवि के साथ आगे बढ़ रहे थे तो वहीं दूसरी ओर अमजद खान पसंदीदा विलेन बनते जा रहे थे। हीरो बने अमिताभ के अपोजिट में अमजद खान कई फिल्मों में बतौर खलनायक नजर आए। इन फिल्मों में 'मुकद्दर का सिकंदर', 'लावारिस', 'महान', 'देश प्रेमी', 'राम बलराम', 'गंगा की सौगंध', 'परवरिश', 'नसीब', 'मिस्टर नटरवरलाल', 'सुहाग', 'नास्तिक', 'सत्ते पे सत्ता' और 'कालिया' जैसी फिल्में शुमार थीं।

पंजाबी सिंगर काका और अभिनेत्री कनिका मान ने की शादी? जानिए VIRAL तस्वीरों की सच्चाई

(Punjabi singer Kaka) ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तीन तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में काका के साथ कनिका मान नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में जहां काका, कनिका को घुटने पर बैठकर प्रपोज कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तस्वीर में एक दूसरे को हग करते हुए नजर आ रहे हैं।

जबकि तीसरी तस्वीर में दोनों कैमरे को देख पोज दे रहे हैं। काका द्वारा शेयर की गईं फोटोज में व्हाइट आउटफिट के साथ सिर पर फ्लॉवर का बना क्राउन पहनीं कनिका बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वहीं, ब्लैक सूट में काका भी काफी हैंडसम नजर आ रहे हैं।

बता दें कि फोटोज को शेयर करते हुए काका ने एक दिल के इमोजी के साथ कैप्शन में लिखा है, 'वह प्यार है'। वहीं काका के इस पोस्ट पर कनिका ने भी कमेंट किया है। कनिका ने कमेंट सेक्शन में लिखा है, 'वह'।

इसके साथ उन्होंने भी दिल का इमोजी शेयर किया है। याद दिला दें कि काका के अलावा कनिका ने भी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की, जिसमें वो कुर्सी पर बैठकर खाना खाती नजर आ रही हैं। कनिका ने फोटो कैप्शन में लिखा है, 'इसलिए वो मुझसे कहते हैं कि तुम मेरी जैसी लड़की की तलाश करो'।

इन सभी तस्वीरों के वायरल होने के बाद फैन्स ऐसा कयास लगा रहे हैं कि कनिका और काका ने शादी कर ली है, हालांकि दोनों का अभी तक इस पर कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

शादी की कयास के दूसरी ओर ये भी माना जा रहा है कि ये उनके अपकमिंग वीडियो सॉन्ग की तस्वीरें हैं।

इस बात का अंदाजा कनिका के द्वारा शेयर किए गए उस पुराने वीडियो से लगाया जा रहा है, जो उन्होंने 19 जनवरी 2021 को शेयर किया था। इसके कैप्शन में कनिका ने लिखा था, 'वे मेरे तेरे पीछे।

गौरतलब है कि कनिका ने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने पंजाबी फिल्मों और एलबम्स में भी काम किया। छोटे पर्दे पर शो 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' से उन्हें सफलता मिली। वहीं फिलहाल कनिका 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' के दूसरे सीजन में काम कर रही हैं। बता दें कि कनिका का नाम अभिनेता निशांत मल्कानी से भी जोड़ा जाता है।

सास के साथ शिल्पा शेट्टी ने साझा किया वीडियो, इस खास कैप्शन से जीता फैन्स का दिल

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा शिल्पा शेट्टी अपने अनोखे स्वैग के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं। शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और अक्सर फैन्स के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियोज साझा करती रहती हैं। वहीं फैन्स भी शिल्पा की तस्वीरें और वीडियोज को भरपूर प्यार देते हैं। ऐसे में एक बार फिर शिल्पा शेट्टी अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट के चलते चर्चा में हैं। दरअसल कुछ देर पहले ही शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है। तस्वीरों से बने हुए इस वीडियो में अभिनेत्री के साथ उनकी सास नजर आ रही हैं। वीडियो में शिल्पा और उनकी सास, साथ में क्वालिटी टाइम बिताते और हंसते मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही शिल्पा हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

वीडियो के साथ ही शिल्पा के सोशल मीडिया पोस्ट का कैप्शन भी चर्चा में है। शिल्पा ने लिखा है कि वह अपनी ड्रीमी सासू मां से उनके बेटे राज कुंद्रा के बारे में गपशप कर रही हैं। वीडियो के साथ इस कैप्शन को भी फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। करीब एक घंटे में ही शिल्पा के इस पोस्ट पर ढाई लाख लाइक्स आ चुके हैं। वहीं फैन्स कमेंट सेक्शन में भी सास- बहू की तारीफ कर रहे हैं।

वैसे बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब शिल्पा ने अपनी सासू मां के लिए कोई सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया हो।

इससे पहले भी शिल्पा उनके साथ और उनके बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर चुकी हैं। अप्रैल 2020 में भी शिल्पा ने अपनी सास की तारीफ करते हुए एक वीडियो साझा किया था। जिसमें वो एक्सरसाइज करते नजर आ रही थीं। वीडियो में खुद भी शिल्पा दिखती हैं और कहती हैं- स्वस्थ रहो और मस्त रहो।

शिल्पा ने वीडियो को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा था, "मेरी 68 साल की सास वर्कआउट करती हुईं। ये काफी इंस्पायरिंग है। वह डायबिटिक हैं, लेकिन वह एक्सरसाइज, टहलने और योगा करने के लिए भी समय निकाल ही लेती हैं। वह अपनी लाइफ में अनुशासन रखती हैं और मैं उनकी बहुत रिस्पेक्ट करती हूं। उनका ये वीडियो हर किसी को सिखाता है कि किसी भी उम्र में नई शुरुआत की जा सकती है।'

इसके अलावा शिल्पा ने अपनी सास के जन्मदिन पर भी एक प्यारा वीडियो साझा किया था और अपना प्यार उनके लिए जाहिर किया था। बात शिल्पा के प्रोफेशनल करियर की करें तो अभिनेत्री जल्दी ही हंगामा 2 और निकम्मा में नजर आएंगी।

रितिक रौशन ने की 'द व्हाइट टाइगर' की तारीफ, कहा- प्रियंका और राजकुमार ने किया है शानदार काम

प्रियंका चोपड़ा की रिलीज हुई नई फिल्म 'द व्हाइट टाइगर' को दुनियाभर से खूब तरीफें मिल रही हैं। इस बीच प्रियंका की ही फिल्म अग्निपथ के को-स्टार रहे एक्टर रितिक रौशन ने भी रहीम बहरानी की इस फिल्म जमकर तारीफ की है।

रितिक ने फिल्म के बारे में अपने विचार एक ट्वीट के माध्यम से साझा किए। उन्होंने फिल्म के बारे में ट्वीट करते हुए लिखा, "यह शुक्रवार द व्हाइट टाइगर के साथ खत्म हुआ। मेरे दोस्तों प्रियंका चोपड़ा और राजकुमार राव आप दोनों ने शानदार काम किया है। गौरव आदर्श आपने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यह इस साल की शानदार शुरुआत है। इतनी शानदार फिल्म बनाने के लिए रहीम बहरानी और पूरी टीम को शुभकामनाएं।"

इसके बाद प्रियंका चोपड़ा ने रितिक के इस फीडबैक के लिए शुक्रिया भी अदा किया। उन्होंने ट्विटर पर रिप्लाई देते हुए लिखा, "बहुत शुक्रिया दोस्त! बहुत खुशी हुई कि तुम्हे यह पसंद आया।"

प्रियंका की इस फिल्म ने न सिर्फ उनके बॉलीवुड के साथियों को प्रभावित किया है, बल्कि उनके हॉलीवुड के दोस्तों को भी प्रभावित किया है।

इससे पहले कैरी वाशिंगटन ने भी ट्विटर पर फिल्म की तारीफ की थी।

वहीं कार्डी बी ने फिल्म पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा, "व्हाइट टाइगर इतनी बेहतरीन फिल्म है कि मैं इसे देखते हुए रो भी रहा था और गुस्से में भी था।"

जब प्रियंका ने उन्हें इसके लिए धन्यवाद दिया, तो गायिका ने आगे कहा, "हां, आप इतने प्यारे और मनमोहक मुस्कुरान लिए हुए चेहरे के साथ शानदार लग रही थीं।"

प्रियंका के पति निक जोन्स और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने भी फिल्म में उनके प्रदर्शन की सराहना की थी।

अपने प्रशंसकों को फिल्म देखने के लिए कहते हुए निक ने ट्वीट किया था, "द व्हाइट टाइगर अब नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। इस फिल्म में एक अभिनेत्री और एक निर्माता दोनों के रूप में अपनी पत्नी प्रियंका के काम पर मुझे गर्व है। इस फिल्म को जरुर देखिए। पूरी कास्ट, क्रू और क्रिएटिव टीम को बधाई।"

इन सितारों की शादी का है फैन्स को इंतजार, लिस्ट में सलमान से रणबीर- आलिया तक शामिल

24 जनवरी 2021 को बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन अपनी गर्लफ्रेंड नताशा दलाल के साथ शादी के बंधन में बंध गए। वरुण और नताशा की शादी सहित अन्य रस्मों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं थीं। वरुण और शादी के बाद कई और ऐसे बॉलीवुड सितारे भी हैं, जिनकी शादी का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। चलिए इस स्पेशल रिपोर्ट में आपको बताते हैं उन सितारों के बारे में जिनको फैन्स जल्द से जल्द शादी के बंधन में बंधा देखना चाहते हैं।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के फैन्स लंबे वक्त से दोनों की शादी का इंतजार कर रहे हैं। वहीं कई बार सोशल मीडिया पर दोनों की शादी की तारीखें तक सामने आ गईं, हालांकि हर बार वो सिर्फ अफवाह साबित हुईं।

बता दें कि रणबीर और आलिया जल्दी ही अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में एक साथ नजर आएंगे। फिल्म के शूटिंग सेट से कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं। सलमान खान के फैन्स एक लंबे वक्त से अपने चहेते स्टार की शादी की खुशखबरी सुनना चाहते हैं, लेकिन भाईजान ने अभी तक फैन्स को ये गुड न्यूज नहीं दी है। सलमान खान का कई अभिनेत्रियों के साथ नाम जुड़ चुका है। वहीं एक बार तो उनकी शादी के कार्ड तक भी छप गए थे, लेकिन आखिरी वक्त में सलमान ने शादी से इंकार कर दिया था।

अली फजल और ऋचा चड्ढा का नाम उन स्टार जोड़ियों में शुमार है, जिनकी शादी कोरोना महामारी की भेंट चढ़ गई। दरअसल अली और ऋचा बीते साल ही शादी करने वाले थे लेकिन कोरोना के कारण शादी टल गई। अब ऐसे में फैन्स को उनकी शादी का बेसब्री से इंतजार है। अपने अलग अलग किरदारों से दर्शकों का दिल जीत चुकीं श्रद्धा कपूर का नाम फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठा से जुड़ता है। ऐसे में कई बार ऐसी खबरें भी सामने आईं कि दोनों जल्दी ही शादी करने वाले हैं, लेकिन वह सिर्फ अफवाह साबित हुई।

शहीद दिवस: शहादत को सलाम करती हैं ये पांच बॉलीवुड फिल्में, High हो जाता है जोश

हमारे देश में हर साल 30 जनवरी और 23 मार्च को शहीद दिवस (Martyrs Day or Shaheed Diwas) मनाया जाता है। 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्य तिथि को शहीद दिवस के रूप में याद किया जाता है। जबकि 23 मार्च 1931 को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी, इसलिए उन अमर वीर शहीदों की याद में 23 मार्च को भी शहीद दिवस मनाया जाता है। बॉलीवुड ने भी कई बार अलग- अलग अंदाज में वीरों की शहादतों को याद किया है। ऐसे में हम आपको बताते हैं कुछ चुनिंदा फिल्में, जब भारत के वीरों को फिल्मों के माध्यम से सलामी दी गई।

शहीद

1965 में फिल्म शहीद रिलीज हुई थी, जिसका निर्देशन एस आर शर्मा ने किया था। फिल्म भगत सिंह के जीवन पर आधारित थी, जिसमें मुख्य किरदार में मनोज कुमार थे। इस फिल्म की कहानी बटुकेश्वर दत्त ने लिखी थी। 13वें राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड की सूची में इस फिल्म ने हिन्दी की सर्वश्रेष्ठ फिल्म के पुरस्कार के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता पर बनी सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए नर्गिस दत्त पुरस्कार भी अपने नाम किया था।

गांधी

1982 में रिलीज हुई फिल्म गांधी में बेन किंग्सले ने मोहनदास करमचंद गांधी का मुख्य किरदार निभाया था। फिल्म में बेन के अद्भुत अभिनय ने सभी का दिल जीत लिया था। बेन के साथ ही फिल्म में रोहिणी हट्टंगड़ी, रोशन सेठ, प्रदीप कुमार, सईद जाफरी, एडवर्ड फॉक्स, श्रीराम लागू, दिलीप ताहिल, पंकज कपूर, सुप्रिया पाठक और नीना गुप्ता जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में थे। रिचर्ड एटनबरो द्वारा निर्देशित फिल्म में महात्मा गांधी के बैरिस्टर बनने से लेकर उनकी हत्या तक के पूरे जीवन को दिखाया है। फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म के अकादमी पुरस्कार के साथ आठ अन्य अकादमी पुरस्कार भी प्राप्त हुए थे। अकादमी अवॉर्ड्स के साथ ही फिल्म को सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म का गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड भी मिला था।

बॉर्डर

बात देशभक्ति व शहादत की हो और जेपी दत्ता द्वारा निर्देशित फिल्म बॉर्डर का जिक्र न हो, ये तो मुमकिन ही नहीं है। 1997 में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर वर्ष 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच लड़े युद्ध की एक असल घटना पर आधारित है। फिल्म में सनी देओल, सुनील शेट्टी, अक्षय खन्ना, जैकी श्रॉफ, सुदेश बेरी, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, तब्बू, राखी, पूजा भट्ट और शर्बानी मुखर्जी सहित कई कलाकारों ने दमदार अभिनय दिखाया था। फिल्म के गानों सहित डायलॉग्स तक, आज भी सुपरहिट हैं।

द लीजेंड ऑफ भगत सिंह

साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया था। इस फिल्म में भगत सिंह की भूमिका अजय देवगन, सुखदेव की भूमिका सुशांत सिंह और राजगुरु की भूमिका डी संतोष ने निभाई थी। फिल्म के गीतों को आज भी पसंद किया जाता है। बता दें कि 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म की श्रेणी में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था।

उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक

'हाउज द जोश- हाई सर', साल 2019 में हर एक देशवासी ने ये डायलॉग्स जरूर कहा होगा। ये फिल्म उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक का एक डायलॉग था।

विक्की कौशल, परेश रावल, यामी गौतम, मोहित रैना और कीर्ति कुल्हारी स्टारर इस फिल्म ने खूब वाहवाही और ढेर सारे अवॉर्ड्स जीते थे।

जम्मू-कश्मीर के उरी स्थित सेना के कैंप पर हमला होने के बाद भारत की ओर से आतंकवादियों पर की गई सर्जिकल स्ट्राइक को इस फिल्म में बेहतरीन तरीके से दिखाया गया था।

फिल्म में शानदार परफॉरमेंस के लिए विक्की कौशल को बेस्ट एक्टर के राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

कुशीनगर में मोरारी बापू की पत्रकार परिषद

भगवान बुद्ध की निर्वाण- स्थली, कुशीनगर में पूज्य मोरारी बापू की व्यासपीठ द्वारा "मानस निर्वाण" को केंद्र में रखकर कथागान हुआ। कथा के सातवें दिन २९ जनवरी को पत्रकार परिषद का आयोजन हुआ। जिसमें गोरखपुर और कुशीनगर के ५० पत्रकार महोदय उपस्थित रहे।

पूज्य बापू ने कहा कि-

"मेरी राम कथा प्रेम-यज्ञ है। आप सब पत्रकार आपकी कलम के माध्यम से कथा को घर-घर और जन जन तक पहुंचाते हो, वही इस प्रेम-यज्ञ में आपके द्वारा दी गई आहुति है। हमारे यजमान परिवारने राम कथा का आयोजन किया है।इसके अलावा इन दिनों में लोक कल्याणका अभियान भी चल रहा है।२०,००० परिवारों को उनके घर पर राशन पहुंचा दिया गया है। ठंड के इन दिनों में जरूरतमंद लोगों को कंबल- जैकेट बांटे जा रहे है। वैसे उसके द्वारा परमार्थ का काम तो हो ही रहा है।

अंततोगत्वा अलग-अलग क्षेत्र में रहते हुए भी हम सब का कर्तव्य तो यही है कि 'सर्वभूत हिताय, सर्वभूत प्रीताय, सर्वभूत सुखाय- सद्भावना पूर्वक काम हो! ऐसा काम रामकथा के द्वारा हो रहा है।आप के रिपोर्टिंग से भी यह हो रहा है। और यजमान अमरभैया के परिवार द्वारा हो रहा है। भगवान बुद्ध की इस निर्वाण- स्थली में एक बार कथा करने का मेरा मनोरथ था, जो आज पूर्ण हो रहा है- इसकी मुझे खुशी है।आप सबके रिपोर्टिंग से भी मैं बहुत खुश हूं।"

एक पत्रकारने पूछा की -

"अयोध्या में राम-मंदिर निर्माण का संकल्प तो पूरा हुआ, अब काशी और मथुरा में ऐसा कब होगा?"

बापु ने कहा कि -"नियति क्या करती है? इसका किसी को पता नहीं है।

राम-मंदिर हो रहा है, यह प्रसन्नता का विषय है।भारत का शुभ हो, भारत की जनता का शुभ हो, भारत के तीर्थों का शुभ हो- ऐसी हनुमानजी के चरणों में हम प्रार्थना करें।"

भारत की वर्तमान स्थिति के बारे में बापू ने बताया कि -"इतना बड़ा देश है। इतने प्रांत, इतनी भाषा - यह सब विविधता है। वैसे मेरा क्षेत्र तो अध्यात्म है। मैं तो एक वैष्णव साधु हूं। फिर भी इस देश का नागरिक होने के नाते इतना कह सकता हूं कि देश विकास और विश्राम की तरफ गति कर रहा है।"

दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन के बारे में बापू ने कहा कि - "लोकतंत्र में हर एक समस्या का समाधान संवाद से होना चाहिए, विवाद से तो बात बिगड़ती है। और मैं आशा करता हूं कि इस प्रश्न का हल भी संवाद से ही निकल आएगा।

एक पत्रकार ने पूछा कि "क्या ऐसा माना जाए कि धर्म राजनीति पर हावी हो गया है?"

बापू ने कहा कि धर्म के साथ 'हावी' शब्द ठीक नहीं लगता। यहां सभी काम धर्म की छाया में चल रहा है। और मेरा धर्म है- सत्य, प्रेम और करुणा। इस धर्म को दुनिया में कौन मना कर सकता है? क्या कोई धर्मावलंबी सत्य का इनकार कर सकता है ? - निभाए, ना निभाए यह और बात है! पर सत्य का इन्कार कोई नहीं कर सकता। ऐसे ही प्रेम और करुणा का इनकार भी कोई नहीं कर पाएगा।"

किसी पर 'हावी होना' - धर्म का स्वभाव नहीं है! पर हम धर्म की छाया में रहे, इसी में हमारा कल्याण है।"

हमारी आश्रम व्यवस्था के बारे में बापु ने कहा कि गृहस्थाश्रम द्वारा धर्म का अच्छी तरह से निर्वाह हो सकता है। महाराजा जनक राजर्षि है, पर गृहस्थ है। और जितने जितने हमारे महर्षि हुए - वे सब गृहस्थी थे। परम विवेकी याज्ञवल्क्य और महर्षि वशिष्ठ गृहस्थी है। इसलिए 'धन्यो गृहस्थाश्रम' - ऐसा कहा जाता है।

"धार्मिक अनुष्ठान बढ रहे हैं, साथ-साथ अधर्म भी बढ़ता जाता है"

- इसके बारे में बापू ने कहा कि

"एक बार विवेकानंदजी को किसी ने पूछा कि इतनी अस्पतालें हैं, फिर भी रोग क्यों बढ़ते जा रहा है? तब विवेकानंदजी ने उत्तर दिया कि - अस्पताले है, इसलिए रोग पर कुछ हद तक काबू पा सकते हैं। अस्पतालें न होती, तो रोग कितने बढे होते? अध्यात्म के बारे में देखा जाए, तो इस वक्त युवाओं की रुचि अध्यात्म में बढ़ती जा रही है- यह बहुत बड़ा शगुन है।

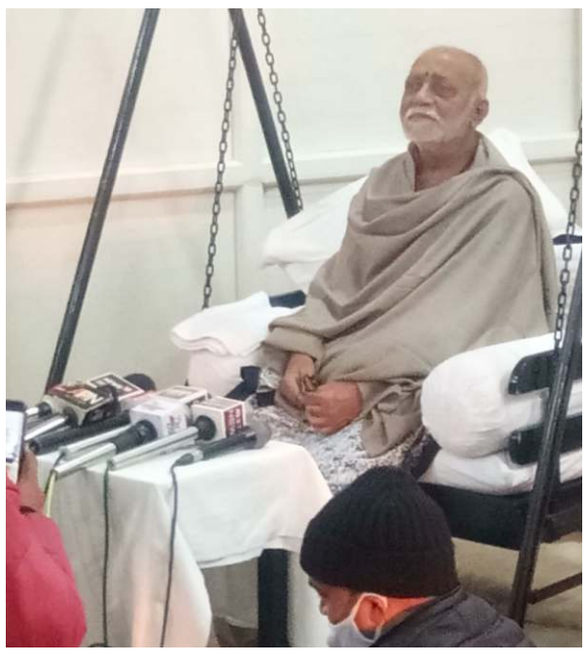

कबीर के राम और तुलसी के राम में क्या अंतर है? इस प्रश्न के उत्तर में बापू ने कहा कि राम एक ही है। फिर वह कबीर का राम हो, या मोरारी बापू का! कबीर निराकार वादी है - इस बात का स्वागत है। लेकिन उन्होंने एक पद में कहा है कि 'मैं राम की दुल्हनिया हूं।राम मेरे पीयू है।' - क्या अर्थ करोगे इसका? इससे तो राम सगुण सिद्ध हुए! वास्तव में राम एक ही है। कोई निराकार कहता है, कोई साकार कहता है। कोई मूर्ति के रूप में तो कोई अमूर्त के रूप में एक ही राम को भजते हैं।"

रामकथा के लिए कुशीनगर की धरती को क्यों चुना? ऐसे एक प्रश्न के जवाब में बापू ने कहा कि-

"यह बुद्ध की परिनिर्वाण भूमि है। इसका मूल्य मेरी दृष्टि में बहुत है। यह भूमि अभी तक तप्त है- बुध के सूत्रों से, बुद्ध के अणु परमाणु से। - तो यहां तो एक बार अनुष्ठान होना ही चाहिए।इसमें यह तुलस्यान परिवार निमित्त बन गया। इस कथा से मुझे खुशी मिली है।"

गंगा शुद्धिकरण के बारे में पूज्य बापू ने कहा कि -

"गंगा-यमुना तो पवित्र है ही। लेकिन कोई भी नदी चलता - प्रवाहमान तीर्थ है। कोई भी तीर्थ पवित्र तो होता ही है, लेकिन हमारी मानसिकता उसे अपवित्र बना देती है।.... फिर भी काम तो हो ही रहा है! मैंने अभी रमण रेत में यमुना जी का दर्शन भी किया।गंगा यमुना के त्रिवेणी तीर्थ पर भी मैं गया हूं।- वैसे काम तो हो ही रहा है।गंगा का किसी प्रकार से उपयोग करके हम कमाई कर ले, यह सही नहीं है।

गंगा स्वच्छ रहनी ही चाहिए।इसके लिए कुछ भी कुर्बानी देनी पड़े, तो देकर भी गंगाको स्वच्छ रखना हमारा कर्तव्य है!"

पर्यावरण के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के प्रत्युत्तर में पूज्य बापू ने कहा कि मैं तो हर एक कथा में यह कहता ही रहता हूं। प्रकृति के हर एक तत्व को हमें संभालना ही चाहिए। लेकिन हम यह नहीं कर पा रहे है। प्रकृति के सभी तत्वों का हम इतना शोषण कर रहे हैं, कि ईसका नतीजा हम ही भोग रहे हैं! लोकडाउन के दौरान यहां से हिमालय दिख रहा था! क्योंकि प्रदूषण का पर्दा हट चुका था। यही तो हमारे पास इस बात का एक प्रमाण है। जल शुद्धि हो, पृथ्वी शुद्धि हो, वायु शुद्धि हो - यह बहुत जरूरी है। और मेरी व्यासपीठ सालों से यह काम करती आई है।"

देश में 'सर्व धर्म समभाव' की बात तो होती है, लेकिन धर्मांतरण बहुत होता है। - इसके बारे में बोलते हुए बापू ने कहा कि

"कोई भी धर्म हो- धर्मांतरण अच्छी चीज नहीं है।'प्रत्येक व्यक्ति को स्वधर्म निभाना चाहिए। अपनी इच्छा से अगर कोई अन्य धर्म की उपासना पद्धति अपनाएं, तो ठीक है। लेकिन भय से, प्रलोभन से या दबाव से - धर्मांतरण कभी नहीं होना चाहिए! यह मेरी दृष्टि में बिल्कुल अनैतिक है।"

"लव जिहाद" के बारे में पूछे गए प्रश्न के विषय में पूज्य बापू ने कहा कि - इसके बारे में मेरे पास बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है। मुझसे ज्यादा तो इसके बारे में आप जानते हैं! देश के हित में क्या अच्छा है, यह तय कर के आपको ही बताना होगा।

" सुखी जीवन का मंत्र क्या है?"- ऐसी एक जिज्ञासा के बारे में बापू ने बताया कि - "विकल्प मुक्त संकल्प ही सुखी जीवन का मंत्र है।"

संकलन : मनोज जोशी(महुवा)
पत्रकार - मुंबई तरंग

सद्गुरु कृपा ही केवलम्

तलगाजरडी व्यासपीठ की संगीत-संगत के बेन्जोवादक श्री हितेशगिरी गोंसाई २००४ से रामकथा में पूज्य बापू के श्री चरणों में समर्पित होकर संगीत साधना कर रहे है। अभी कुशीनगर में चल रही "मानस निर्वाण" कथा गान दौरान पूज्य बापू ने हितेशगिरी की संगीत साधना पर प्रसन्नता जताई और कहा कि "संगीत के साथ अब गायकी में भी संगत करने की पात्रता हासिल कर चुके है।"- पूज्य बापू के श्रीमुख से अपने लिए आशीर्वादक वचन सुनकर हितेशने अश्रुसभर नेत्र से व्यासपीठ के प्रति नतमस्तक हो कर धन्यता एवं कृतकृत्यता का अनुभव किया।श्री हितेशगिरी ने संतवाणी के कार्यक्रम में अपनी कला से लोकप्रियता हासिल की थी। गुजराती फिल्म में भी वह संगीतकार के साथ बेन्जोवादक के रुप में काम कर चुके है। लेकिन व्यासपीठ से जुड़ने के बाद बापू की अमृत भरी द्रष्टि से उस की संगीत साधना सार्थक हुई।

बापू ने ही मानो सोलह साल की सेवा के फल स्वरूप उसको गायकी के लिए भी योग्य ठहराया। और अपनी जीवन साधना सफल होने का अहसास दिलाया।अब तक व्यासपीठ के गायक वृंद में श्री हरीश्चन्द्र जोशी और श्री कीर्ति लिंबाचिया थे।

बाद हार्मोनीअम वादक श्री रमेश चंदाराना उन के साथ जुड़े। तबला वादक पंकज भट्टने भी गाने में संगत आरंभ की। दिलावर समा मंजीरा वादक और गायक वृंद के सहायक के रुप में उभरे। गजाननजी हिन्दी फिल्मों में शहनाई बजाते थे। वह भी व्यासपीठ से जुड़कर धन्यता अनुभव कर रहे है। आखिर में, अब से हितेश गोंसाई भी संगीत के साथ-साथ गायकी में भी आवश्यकता के समय सुर के साथ स्वर से भी व्यासपीठ की सेवा करेंगे। ऐसा अवसर पाने का अवसर केवल पूज्य बापू की कृपा ही है, ऐसा समज कर उसने बापूकी चरण वंदना की है।

जय सियाराम
निलेश वावडिया

मोरारी बापू की मानस कथा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री आदित्यनाथ जी की उपस्थिति

कुशीनगर, उत्तर प्रदेश का सबसे पवित्र तीर्थस्थल है जहाँ भगवान बुद्ध ने महा परिनिर्वाण प्राप्त किया - तलगाजरडी ग्लोबल प्लेटफ़ॉर्म द्वारा पुजारी मोरारीबापू के श्रीमुख से थीम "मानस-निर्वाण" के साथ कहानी शुरू की है। कहानी के पांचवें दिन के दौरान, उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री आदित्यनाथ योगीजी ने व्याशपीठ को नमन किया और कोरोना में इस कठिन समय के दौरान इस निर्वाण तीर्थ में पूज्य मोरारीबापू द्वारा कहानी की योजना के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब बापू इस धरती पर जप कर रहे थे, जो अवतार भगवान भगवान बुद्ध ने निर्वाण के लिए लिया था, रामनम के जाप के साथ, यहां जरूरतमंद परिवारों के लिए दान की बाढ़ आ गई है। उल्लेखनीय है कि इस कहानी के दौरान मण्डप में 200 श्रोताओं को सुनने की अनुमति थी। पूज्य बापू की कहानी में, खजाने और प्रसाद की

व्यवस्था पर एक प्रेमपूर्ण आग्रह है। कोरोना के खिलाफ एहतियात के तौर पर भंडारी को अनुमति नहीं दी गई थी। इसलिए यजमान श्री अमर तुलसी ने कथा के नौ दिनों के दौरान प्रतिदिन बीस हजार परिवारों के घरों में प्रसाद पहुंचाने की व्यवस्था की। योगीजी ने गर्म कपड़ों के साथ-साथ समाज सेवा के अन्य रूपों पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। और पूज्य बापू उत्तर प्रदेश की धर्मभूमि के लिए बापू का स्वागत करने के लिए आभारी थे। योगीजी ने कहा कि भूमि, मां अमृत कार्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से यहां के पिछड़े, वंचित, दलित और जरूरतमंद परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की गई है।

उन्होंने कहा कि भारतीय लोगों को कोरोना वैक्सीन से मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। न केवल भारत, बल्कि विश्व के अन्य देश भी हमारे टीका पर निर्भर हैं। ब्राज़ील के प्रधान मंत्री ने श्री हनुमानजी को संजीव को भारत से लाने की बात कहते हुए हमारे राष्ट्र के गौरव को गाया है।

कथा के अंत में, श्री रामायणजी की आरती के बाद, योगीजी पूज्य बापू के साथ रवाना हुए।

निर्देशक कृष्णा चौहान फ़िल्म निर्माण के अतिरिक्त अवॉर्ड शो व समाजसेवा के लिए हैं चर्चित।

बॉलीवुड डायरेक्टर कृष्णा चौहान पिछले कई वर्षों से इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। इन्होंने कई एड फिल्म्स,म्यूजिक वीडियो और अब हिंदी फ़ीचर फिल्म भी बनाने जा रहे हैं। चौहान की एक फाउंडेशन भी है जिसका नाम है कृष्णा चौहान फाउंडेशन। जिसके अंतर्गत कृष्णा कई अवार्ड्स शोज का भी आयोजन करते है। इसके साथ ही कृष्णा की गोरखनाथ मूवीज कंपनी भी है जिसके अंतर्गत कृष्णा फिल्मों, एड फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज का निर्माण करते है। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड और लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड का आयोजन पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है। इसके अलावा केसीएफ से समाजसेवा, फूड वितरण और भागवत गीता का वितरण किया जाता है। कृष्णा की गोरखनाथ मूवीज के अंतर्गत प्रोडक्शन हाउस चलाया जाता है, जिसमें फ़िल्म मेकिंग,एल्बम,शार्ट फ़िल्म, एड फ़िल्म और प्रिंट शूट किए जाते हैं। कृष्णा आने वाले महीने यानी कि फरवरी 2021 में बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड करने जा रहे हैं। इसके बाद चौहान अपने जन्मदिन यानी कि 4 मई को लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड 2021 का आयोजन करने जा रहें हैं। जिसमें वे अपने जन्मदिन के साथ इस अवॉर्ड शो का भी आयोजन कर रहे हैं। इसमें सभी उपस्थित मेहमानों का खास ध्यान रखा जाएगा। और इस साल के अंत में कृष्णा द्वारा 26 दिसम्बर को बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड का आयोजन किया जाएगा। इसी फरवरी कृष्णा अपनी हिंदी फिल्म का मुहूर्त और घोषणा करने वाले हैं। जिसकी शूटिंग वे अप्रैल महीने से शुरू करेंगे। इसके साथ ही कृष्णा चौहान निर्देशित फिल्म 'जीना नहीं तेरे बिना' और हिंदी म्यूजिक एल्बम 'ज़िक्र तेरा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। कृष्णा द्वारा साल 2020 में कोरोना महामारी के बीच में कई जरूरतमंद लोगों को खाद्य वस्तुएं मुहैया कराई गई थी एवं साल के अंत में बॉलीवुड,मीडिया और सोशल वर्करों को लीजेंड दादासाहेब फाल्के 2020 और बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड 2020 सम्मानित किया गया था। आपको बता दें कि कृष्णा चौहान यूपी के गोरखनाथ के रहने वाले हैं और पिछले 18 वर्षों से वे मुंबई में रह रहे हैं। अपने स्ट्रगल के दिनों में कृष्णा ने सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया है। आज कृष्णा इंडस्ट्री में किसी पहचान के मोहताज नहीं है। आज के समय में कृष्णा को हर बड़ा बैनर जानता है। चौहान को अपनी शार्ट फ़िल्म के लिए बेस्ट डिरेक्टर का अवार्ड भी मिल चुका है।

बापू व्यासपीठ रुप फूलवारी में खीला नया सुरभित फूल-अमर तुलस्यान

भगवान बुद्ध की निर्वाण-स्थली कुशीनगर में आयोजित राम कथा "मानस निर्वाण" के यजमान श्री अमर तुलस्यान है। मूलत: राजस्थान के निवासी तुलस्यान परिवारने दो पीढीओं से गोरखपुर को ही अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि बना कर, अपने प्रारब्ध और पुरुषार्थ से आर्थिक समृद्धि प्राप्त की है।

अमरभाइने बताया कि मार्च २०१९ में गोरखपुर में पूज्य बापू की रामकथा "मानस गोरख" का गान हुआ था। कथा के यजमान वाराणसी के श्री कीशनजी जालान थे।

उस कथा में अमरजी को अहसास हुआ कि पूज्य बापू समता से भरे सर्व स्वीकारक संत है। हम संसारी लोगों के रोज-बरोज के जीवन में कई समस्याएं आती है - कई ऐसी बातें होती है, जिसका समाधान पाने की हमारी जिज्ञासा होती है। पर जब हम कथा श्रवण करते है तब - बापू को बिना कुछ पूछे ही - हमें समाधान मिल जाता है!

गोरखपुर की उस कथा में किशनजी एवं अखिलेशजी के साथ बापू के राम दरबार में अमरजी को बापू की सहज- सरल साधुता का परिचय

मिला। उन्होंने पूज्य बापू को विनित भाव से रामकथा के आयोजन का निमित्त बनने का अवसर देने की प्रार्थना की।

तभी बापू ने गोरखपुर के नीकटवर्ती स्थान कुशीनगर में कथा करने का मनोरथ किया था। बापू ने अमरजी को कहा कि - "जब भी कुशीनगर में कथा गान का मौका अस्तित्व देगा, तब यजमानी करने का अवसर आप को प्राप्त होगा।"

फिर तो कोरोना की वजह से सभी सामाजिक - धार्मिक - सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर रोक लगी। अब - कोरोना की बिमारी कम हुई है - कुशीनगर में कथा करने की पूज्य बापू की इच्छा को आज्ञा समजकर अमरभैया ने खुद को मिले इस अनमोल अवसर को सहर्ष स्वीकार कर लिया। पूर्व तैयारी का समय कम था। फिर भी कीशनजी जालान और अखिलेशजी खेमका के मार्गदर्शन में कथा की बहुत ही अच्छी तरह से तैयारी कर दी गई।

अमरजी ने बताया कि बापु ने गोरखपुर की कथा में पंचशील का सिद्धांत दिया था। आखिरी व्यक्ति तक पहूंचने के बापू के सूत्र को जीवन मंत्र बनाकर अमरभैया व्यासपीठ की वैश्विक व्यास वाटिका की फूलवारी में

शामिल हो गये।

कुशीनगर की इस कथा में - सही मायने में निमित्त मात्र - युवा यजमान अमरभाइ के दोनों बेटे और चारों बहन का परिवार भी माता - पिता के साथ बैठकर - निर्भार हो कर कथा श्रवण का आनंद प्राप्त कर रहे है।

इवेंट मेनेजमेंट इतना बढिया है कि कहीं भी- किसी तरह की असुविधा या अव्यवस्था नहीं है। प्रशासन के सारे नीति - नियमों के पूर्ण परिपालन के साथ कथा का मंगल गान और मंगल श्रवण हो रहा है।

पान मसाले का उत्पादन और होलसेल वितरण के साथ ही 'नाइन' - ब्रांड से शेम्पू, हेन्ड वोश, बेबी डायपर और सेनेटरी नेपकीन्स का प्रोडक्शन करते है। वह चाहते है कि उसे बार बार व्यासपीठ की सेवा का मौका मिले और वह समाज के आखिरी व्यक्ति तक प्रभु का दिया प्रसाद बांटे, ताकि संत के सरल हृदय की प्रसन्नता पा सकें।

हम सभी श्रोताओं की ओर से - सही रूप में निमित्तमात्र - अमरजी का अभिवादन करते है। साथ ही आयोजन की व्यवस्था सुचारू रुप से सम्हालने वाले कीशनजी,अखिलेशजी, इवेंट मेनेजर और उन की पुरी टीम का भी अभिवादन करते है।

-मनोज जोशी
(मुंबई तरंग)

जरा बचके!... वायरस कर देगा 'वायरल'

ठाणे, आज के मॉडर्न युग में लोग अनजान लोगों से प्रत्यक्ष न मिलकर सोशल मीडिया पर दोस्ती करना पसंद कर रहे हैं लेकिन सोशल मीडिया के अनजान लोगों की यह दोस्ती आम लोगों को महंगी पड़ सकती है। हाल फिलहाल में सोशल मीडिया पर चैटिंग के दौरान अनजान व्यक्ति फाइल के माध्यम से वायरस भेजने की घटना को अंजाम दे रहे हैं। यह वायरस लोगों की पर्सनल फोटो और वीडियो को वायरल करने का काम कर रहा है इसलिए पुलिस द्वारा इस वायरस से बचने की जानकारी आम लोगों को दी जा रही है। बता दें कि ठाणे सायबर सेल द्वारा मिली जानकारी के अनुसार हाल ही में महाराष्ट्र के अन्य जिलों में अनजान व्यक्ति द्वारा फाइल के साथ वायरस भेजकर लैपटॉप और कंप्यूटर की हार्डडिस्क में मौजूद प्राइवेट फोटो और वीडियो को वायरल करने की घटना को अंजाम दिया जा चुका है।

पब्लिक नोटीस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री श्रीनिवास पी. कन्नूर (PAN : BDAPK1926M) निवासी 48-8, शिवाजी नगर, घग्घुस, चंद्रपुर, महाराष्ट्र-442505 का अवेस्टा फाउंडेशन से कोई संबंध नहीं है। फाउंडेशन से संबंधित किसी भी प्रकार के कार्य के लिए वह अधिकृत नहीं हैं। यदि कोई व्यक्ति फाउंडेशन के संबंध में उनसे व्यवहार करता है तो वह स्वयं उत्तरदायी है।

सही/-
अवेस्टा फाउंडेशन
डायरेक्टर

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।